राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 16 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-25 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

9 महीने बाद 19 मार्च को धरती पर आएंगी सुनीता विलियम्स

- शनिवार को सांय 4-30 बजे सुनीता को लेने रॉकेट हुआ रवाना

वॉशिंगटन।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में पिछले करीब नौ महीनों से फंसे अंतरिक्षयात्री सुनीता विलयम्स और बुच विलमोर का धरती पर लौटने का सपना अब साकार होने वाला है। अब 19 मार्च को धरती पर वापस लौटने वाले हैं। दरअसल, उनका मिशन सिर्फ 8 दिन का था, लेकिन तकनीकी खराबियों के कारण वे लगभग 9 महीने तक अंतरिक्ष में रह गए। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विलमोर, जो पिछले 9 महीनों से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर फंसे हुए थे, अब 19 मार्च को धरती पर वापस लौटने वाले हैं। दरअसल, उनका मिशन सिर्फ 8 दिन का था, लेकिन तकनीकी खराबियों के कारण वे लगभग 9 महीने तक अंतरिक्ष में रह गए।सुनीता और बुच को वापस लाने के लिए स्पेस एक्स के फॉल्कन 9 रॉकेट का इस्तेमाल किया गया, जो 15 मार्च को भारतीय समयानुसार 4-30 बजे लॉन्च हुआ। यह रॉकेट फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था और इसके साथ क्रू ड्रैगन कैप्सूल में चार सदस्यीय टीम को अंतरिक्ष स्टेशन के लिए भेजा गया। इस मिशन को क्रू-10 नाम दिया गया है, और इसमें नासा के ऐनी मैकक्लेन, निकोल अयर्स, जापानी अंतरिक्ष एजेंसी जेक्सा के टकुया ओनिशी और रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के कोस्मोनॉट किरिल पेस्कोव शामिल हैं।

सुनीता और बुच विलमोर बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट के जरिए अंतरिक्ष गए थे। यह मिशन सिर्फ 8 दिन का था, लेकिन तकनीकी खराबियों के कारण वे 9 महीने तक अंतरिक्ष में रह गए। स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट में कई समस्याएं आईं, जिसमें हीलियम गैस लीक होने जैसी दिक्कतें शामिल थीं। इन समस्याओं के कारण स्पेसक्राफ्ट की वापसी में देरी हुई।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जनवरी में इलॉन मस्क से सुनीता और बुच को अंतरिक्ष से वापस लाने की अपील की थी। मस्क ने इस जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए कहा था कि वे इन बहादुर अंतरिक्ष यात्रियों को जल्द ही धरती पर वापस लाएंगे। नासा ने स्पेसएक्स को पहले ही इस मिशन में शामिल कर लिया था।

ट्रेन हाईजैक को लेकर पाकिस्तान कर सकता है अफगानिस्तान पर अटैक!

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन के हाईजैक होने से पाकिस्तान में हड़कंप मचा हुआ है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ से लेकर सेना प्रमुख मुनीर तक को परेशान कर रखा है। जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर बीएलए के हमले से पाकिस्तान में हाहाकार मचा है। बीएलए ने आम नागरिकों को तो छोड़ दिया लेकिन पाकिस्तानी सेना के जवानों को मौत के घाट उतार दिया है। बीएलए का दावा है कि उसने 214 सैन्य बंधकों को मार दिया है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार इन दावों को खारिज कर रही है। शहबाज सरकार का कहना है कि उसके 31 लोग मारे गए हैं, जिनमें 18 सेना के जवान हैं। पाकिस्तान ने ट्रेन अटैक को लेकर अफगानिस्तान सरकार पर आरोप लगाया है कि इसमें अफगानिस्तान का हाथ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान के इस आरोप के बाद अब हलचल बढ़ गई है। माना जा रहा है कि अफगानिस्तान पर पाकिस्तान हमला कर सकता है।

भारत ने सुनाई खरी-खरी कहा- आतंकवाद का केंद्र तो...पाकिस्तान है

नई दिल्ली।

भारत ने साफ शब्दों में कह दिया कि पाकिस्तान ही दुनिया भर में फैल रहे आतंकवाद का एक प्रमुख केंद्र है। दरअसल, तरके की की राह पर चल रहे जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तान की तरफ से एक बार फिर यूएन में अपना खोखला दावा पेश किया गया था। इस पर संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्थसारथी हरीश ने शाहबाज शरीफ के देश को मुंहतोड़ जवाब देते हुए कहा कि पड़ोसी देश की कट्टरपंथी मानसिकता का लंबा चौड़ा इतिहास रहा है।

पाकिस्तान के बयान की आलोचना करते हुए हरीश ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश हमेशा से भारत का अभिन्न अंग रहा है। अपनी आदत के अनुसार ही पाकिस्तान के पूर्व विदेश सचिव ने आज भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का अनुचित जिक्र किया है। बार-बार जम्मू-कश्मीर का जिक्र करने से न तो उनके दावे वैध होंगे और न ही सीमा पार आतंकवाद की उनकी कार्यप्रणाली उचित होगी। हरीश ने जोर देकर कहा, पाकिस्तान की राष्ट्र की कट्टरपंथी मानसिकता जगजाहिर है, साथ ही कट्टरता का इसका इतिहास भी। इस तरह के प्रयासों से यह हकीकत नहीं बदलेगी कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था है और हमेशा रहेगा।एक दिन पहले ही पाकिस्तान ने बलूचिस्तान ट्रेन हाईजैस केस के लिए भारत पर उंगली उठाई थी। इसपर करारा जवाब भारतीय विदेश मंत्रालय की

तरफ से भी दिया गया था। भारत ने कहा कि दुनिया अच्छी तरह से जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का असली केंद्र कहां है। यूएन में भारत के स्थायी मिशन ने बाद में एक बयान जारी कर संयुक्त राष्ट्र सत्र में हरीश के मजबूत भाषण की सराहना की।

बयान में कहा गया है, हरीश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत विविधता और बहुलवाद की भूमि है।

अमृतसर के ठाकुरद्वार मंदिर में ग्रेनेड से हमला, मोटरसाइकल से आए थे हमलावर

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर के खंडवाला इलाके में स्थित ठाकुरद्वार मंदिर में शुक्रवार देर रात ग्रेनेड से हमला होने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि मोटरसाइकल पर सवार दो युवकों ने मंदिर में ग्रेनेड फेंका और फरार हो गए। यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। इस मामले को पुलिस ने गंभीरता से लिया है ओर जल्द ही आरोपियों को गिरफतार करने की बात कह रही है। इस घटना का पाकिस्तानी कनेक्शन भी तलाशा जा रहा है। घटना को लेकर एक वीडियो फुटेज वायरल हुआ है, जिसमें साफतौर पर देखा जा सकता है कि एक मोटरसाइकिल पर दो लोग सवार हैं। इनमें से एक के हाथ में एक झंडा भी लहराता हुआ दिख रहा है। मंदिर के बाहर पहुंचे ये दोनों लोग कुछ देर वहीं खड़े रहते हैं और फिर उसके बाद अचानक ग्रेनेड फेंक कर फरार हो जाते हैं। जानकारी अुनेसार यह हमला देर रात करीब 12:35 बजे हुआ, जिसके बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि मंदिर पर जिस वक्त ग्रेनेड से हमला किया गया, तब मंदिर के अंदर पुजारी पंडित सोए हुए थे। गनीमत की बात यह है कि इस हमले में उन्हें किसी प्रकार की कोई चोट नहीं आई है। पुलिस ने सीसीटीवी के वीडियो फुटेज को आधार बनाते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

लुधियाना में दो पक्षों में चले ईंट-पत्थर, मस्जिद के शीशे टूटे, 11 लोग घायल

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों में ईंट-पत्थर और बोतलों से एक दूसरे पर हमला किया। इस झड़प में दोनों पक्षों के 11 लोग घायल हुए हैं। घटनास्थल पर पुलिस पहुंची और 35 लागों पर एफआईआर दर्ज की है। सीआईए समेत कई थानों की पुलिस घटना स्थल पर मौजूद है। विशेष समुदाय के लोगों का कहना है कि होली के दिन नमाज अदा करते समय कुछ शरारती लोगों ने उनपर पथराव कर दिया और कई वाहनों में तोड़फोड़ की। इस पथराव और मस्जिद की खिड़कियों के शीशे टूटने का वीडियो भी सामने आया हैं। मौके पर पहुंचे एडीसीपी ने कहा कि मामूली तकरार हुई थी और फिर ईंट पत्थर चले। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचे स्थिति कंट्रोल में है। करीब 5 लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस स्थिति पर नजर रखे हुए है।

हरियाणा में भाजपा नेता की हत्या, होली के दिन पहले गोली मारी

सोनीपत । हरियाणा के सोनीपत जिले के गोहाना के गांव जवाहरा में बीजेपी के मुडलाना मंडल अध्यक्ष की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना जमीनी विवाद के चलते हुई है। आरोपी मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और एफएसएल टीम ने नमूने एकत्रित किए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर खानपुर मेडिकल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दरअसल, गोहाना के गांव जवाहरा में होली के दिन गांव के नंबरदार और बीजेपी मुडलाना मंडल के अध्यक्ष सुरेंद्र की कई गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। शाम के समय सुरेंद्र अपनी गली में मौजूद थे। इस दौरान गांव के ही मन्नू पुत्र जगदीश ने सुरेंद्र पर फायरिंग कर दी। एक गोली गली में मारी गई और गोली लगने के बाद सुरेंद्र दुकान में भागे। दूसरी गोली दुकान में मारी गई. कुल मिलाकर 2 से 3 गोलियां चलाई गईं। जानकारी के मुताबिक, मन्नू की बुआ की जमीन सुरेंद्र ने खरीदी थी, जिससे मन्नू नाराज था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बता दें कि सुरेंद्र पहले इनेलो पार्टी में थे और बाद में बीजेपी में शामिल हो गए थे। जनवरी 2021 में सुरेंद्र को भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया था। भाजपा नेता की हत्या के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने कई टीमें गठित कर दी हैं और आरोपी की तलाश में जुट गई है।

राकेश टिकैत की कार का हुआ भीषण एक्सीडेंट, बाल-बाल बचे किसान नेता

योगी के मंत्री और सांसद हरेंद्र सिंह मलिक ने टिकैत से मुलाकात की

मुजफ्फरनगर । उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले से बड़ी खबर आ रही हैं यहां किसान नेता और भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की कार से एक नीलगाय टकरा गई। घटना में टिकैत बाल-बाल बच गए। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। टिकैत के मुताबिक उनकी गाड़ी मीरापुर बायपास रोड के पास थी तभी अचानक एक नीलगाय सामने आई और उनकी गाड़ी से टकरा गई। घटना में वे बाल-बाल बच गए। सूचना मिलने पर उत्तर प्रदेश के मंत्री कपिल देव अग्रवाल और मुजफ्फरनगर से लोकसभा सदस्य हरेंद्र सिंह मलिक व अन्य लोगों ने टिकैत से उनके आवास पर मुलाकात कर उनका हाल चाल जाना। रिपोर्ट के मुताबिक, मुजफ्फरनगर में अपने आवास पर टिकैत ने कहा कि नीलगाय गलत दिशा से आई और वाहन से टकरा गई। टिकैत ने कहा कि मैंने गाड़ी में सीट बेल्ट लगाई थी और इससे काफी सुरक्षा मिली। सभी को सीट बेल्ट लगानी चाहिए। अगर गाड़ी छोटी होती और कोई सीट बेल्ट नहीं लगाए होता तब नुकसान ज्यादा हो सकता था। गनर ने सीट बेल्ट लगाई हुई थी, गनर को भी मामूली चोटें आईं। उन्होंने सभी से तेज गति से गाड़ी ना चलाने का आग्रह किया।

अब तेलंगाना टनल हादसे में फंसे मजदूरों की तलाश करेगा हाइड्रोलिक रोबोट

ऑपरेशन में सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, खोजी कुत्ते व एजेंसियां शामिल

हैदराबाद। तेलंगाना के एसएलबीसी टनल हादसे में फंसे सात मजदूरों की तलाश के लिए ऑटोमैटिक हाइड्रोलिक-एबल को तैनात किया गया है। यह रोबोट एक विशेष तकनीकी से लैस है, जो सर्च ऑपरेशन की रफ्तार को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। अधिकारियों के मुताबिक इस रोबोट के साथ 30 एचपी क्षमता वाला लिक्विड रिंग वैक्यूम पंप और वैक्यूम टैंक मशीन तैनात है, जिससे मिट्टी हटाने का काम तेजी से होगा। यह रोबोट को ऑटोमैटिक तरीके से मलबा हटाने में महारत हासिल है। इससे एक घंटे में करीब 620 क्यूबिक मीटर मिट्टी सुरंग से बाहर निकाली जा सकती है। राज्य के विशेष मुख्य सचिव (आपदा प्रबंधन) इस सर्च ऑपरेशन की निगरानी कर रहे हैं। ऑपरेशन में भारतीय सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, मानव अवशेष खोजी कुत्ते, सिंगरेनी कोलियरीज, हैदराबाद स्थित रोबोटिक्स कंपनी और अन्य एजेंसियां शामिल हैं। बता दें कि 22 फरवरी को इस सुरंग का एक हिस्सा गिर गया था, जिसमें इंजीनियर समेत 8 मजदूर फंस गए थे। इस हादसे में टनल बोरिंग मशीन ऑपरेटर गुरप्रीत सिंह का शव 9 मार्च को बरामद हुआ था, जिसे पंजाब में उनके परिवार को सौंप दिया था।

कर्नाटक में मुसलमान ठेकेदारों को चार फीसदी का आरक्षण, कैबिनेट का फैसला

भाजपा का आरोप, यह कांग्रेसी तुष्टीकरण का उदाहरण

बेंगलुरु ।

कर्नाटक कैबिनेट ने कर्नाटक ट्रांसपैरेंसी इन पब्लिक प्रक्योरमेंट (केटीपीपी) एक्ट में संशोधन को मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इस कानून में संशोधन करके ठेके में मुसलमान ठेकेदारों को चार फीसदी का आरक्षण मिलेगा। सीएम सिद्धारमैया की अध्यक्षता में हुई बैठक में फैसले पर मुहर लगाई गई है। मौजूदा विधानसभा सत्र में ही संशोधन विधेयक को पेश किया जा सकता है। इससे पहले सात मार्च को भी सिद्धारमैया ने कहा था कि सरकारी कामकाज के 4 फीसदी ठेका मुस्लिमों के लिए आरक्षित किए जाएंगे।

सिद्धारमैया कैबिनेट के फैसले पर बीजेपी हमलावार है। बीजेपी ने कर्नाटक सरकार के पूरे बजट को ही औरंगजेब से प्रेरित बता दिया था। सूत्रों के अनुसार, मंत्रिमंडल ने हेब्बल में कृषि विभाग की 4.24 एकड़ जमीन को अंतरराष्ट्रीय पुष्प नीलामी बेंगलुरू (आईएफएबी) के लिए दो साल के लिए किराया मुक्त आधार पर देने के प्रस्ताव पर भी चर्चा की। जनवरी में आग लगने की घटना के बाद 'बेंगलुरु बायोइनोवेशन सेंटर' में उपकरणों के पुनर्निर्माण और प्रतिस्थापन के लिए 96.77 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता को मंजूरी देने पर भी चर्चा हुई। कर्नाटक में बजट के बाद ही बीजेपी ने कहा था कि यह कांग्रेसी तुष्टीकरण का उदाहरण है। भाजपा नेता ने वक्फ संपत्तियों की मरम्मत, आधारभूत संरचना और मुस्लिम कब्रिस्तानों के संरक्षण के लिए 150 करोड़ आवंटित करने के प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधकर कहा कि कर्नाटक सरकार उस समय में प्रस्ताव लेकर आई है जब केंद्र सरकार वक्फ अधिनियम में संशोधन के लिए संसद में विधेयक लाने वाली है।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार ने इस मद में धन के आवंटन का प्रस्ताव उस समय में दिया है जब कुल एक लाख एकड़ में से लगभग 85,000 एकड़ भूमि, अतिक्रमण के आरोपों के कारण विवादित है। उन्होंने कहा, 'इतना तुष्टिकरण क्यों? क्या कर्नाटक में अल्पसंख्यक समुदाय का मतलब केवल मुस्लिम है।'

पवन कल्याण का सीएम स्टालिन पर तंज, पैसे के लिए अपनी फिल्मों को हिंदी में डब करने की अनुमति देते हो

भाजपा अध्यक्ष अन्नमलाई ने कहा, लोग तीसरी भाषा सीखने को तैयार

हैदराबाद ।

केंद्र और तमिलनाडु के बीच चल रहे भाषा विवाद में आंध्रप्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जनसेना पार्टी के प्रमुख और अभिनेता पवन कल्याण भी कूद पड़े हैं। डिप्टी सीएम कल्याण ने कहा कि भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने के लिए हमें एक या दो नहीं बल्कि बहुत सारी भाषाओं को संरक्षित करने की जरूरत है। इससे भारतीयों के बीच में न केवल प्रेम बढ़ेगा बल्कि और भी ज्यादा एकता और समावेशिता दिखाई देगी। कल्याण जिले के पीथापुरम शहर में जनसेना पार्टी के12वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर कल्याण ने कहा, भारत को तमिल सहित कई भाषाओं की जरूरत है न कि सिर्फ दो की.. हमें भाषाई विविधता को अपनाना चाहिए.. यह देश की अखंडता को बनाए रखने के लिए जरूरी है। एनडीए के सहयोगी कल्याण की यह टिप्पणी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के आरोपों के बीच आई है। स्टालिन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में तीन भाषा अपनाने से इंकार कर केंद्र पर हिंदी को थोपने का आरोप लगाया था। इस पर कल्याण ने डीएमके का नाम लिए बिना निशाना साधकर तमिलनाडु के नेताओं पर पाखंड करने का आरोप लगा दिया। उन्होंने कहा, वे हिन्दी का विरोध करते हैं लेकिन पैसे कमाने के लिए अपनी फिल्मों को हिंदी में डब करने की अनुमति दे देते हैं। मुझे समझ में नहीं आता कि आखिर ऐसा क्यों हैं? वे बॉलीवुड से पैसा चाहते हैं लेकिन हिंदी को स्वीकार करने से इंकार करते हैं आखिर यह किस तरह का तर्क है? इसके पहले शुक्रवार को तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नमलाई ने तीन भाषा नीति पर पार्टी के रूख पर कहा राज्य के लोग नहीं चाहते कि कोई भी भाषा उन पर थोपी जाए लेकिन वह स्वेच्छा से तीसरी भाषा को सीखने के लिए तैयार हैं। अन्नामलाई ने कहा,हम लगातार इस बात को कह रहे हैं कि तीसरी भाषा की जरूरत है। 14 लाख से ज्यादा लोगों ने इस बात के लिए हस्ताक्षर किए हैं। मुद्दा बस यह है कि तमिलनाडु के लोग किसी अनिवार्य तीसरी भाषा को नहीं चाहते हैं, जो कि उन पर थोपी जाए। कांग्रेस ने 1965 में यहीं किया था तब भी इसका विरोध हुआ था।

दस साल में इसरो ने विदेशी सैटेलाइट लॉन्च कर कमाए 439 मिलियन डॉलर

-लोकसभा में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने दी जानकारी

नई दिल्ली।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने पिछले 10 सालों में विदेशी सैटेलाइट लॉन्च से 439 मिलियन डॉलर की कमाई की है। लोकसभा में एक लिखित उत्तर में सिंह ने जानकारी दी कि जनवरी 2015 से दिसंबर 2024 तक, विदेशी सैटेलाइट और 3 भारतीय कस्टमर सैटेलाइट को वाणिज्यिक आधार पर इसरो के पीएसएलवी, एलवीएम3 और एसएसएलवी लॉन्च वाहनों पर लॉन्च किया गया है। उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान विदेशी सैटेलाइट की लॉन्चिंग से सरकार द्वारा उत्पन्न विदेशी मुद्रा राजस्व करीब 143 मिलियन डॉलर और 272 मिलियन यूरो है।

वर्तमान विनिमय दरों के मुताबिक 272 मिलियन यूरो 296 मिलियन डॉलर के बराबर हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 2014 से भारत ने 34 देशों के सैटेलाइट लॉन्च किए हैं। कुल विदेशी सैटेलाइट में से अमेरिका की 232 सैटेलाइट हैं, जो कि सबसे ज्यादा है। दूसरे देशों में यूके की 83, सिंगापुर की 19, कनाडा की 8, कोरिया की 5, लक्जमबर्ग की 4, इटली की 4, जर्मनी की 3, बेल्जियम की 3, फिनलैंड की 3, फ्रांस की 3, स्विट्जरलैंड की 2, नीदरलैंड की 2, जापान की 2, इजरायल की 2, स्पेन की 2, ऑस्ट्रेलिया की 1, संयुक्त अरब अमीरात की 1 और ऑस्ट्रिया की 1 सैटेलाइट शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने संसद को 61 देशों में विदेशी अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ इसरो के सहयोग की भी जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में, 61 देशों और 5 बहुपक्षीय निकायों के साथ अंतरिक्ष सहयोग दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। सहयोग के प्रमुख क्षेत्र सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग, सैटेलाइट नेविगेशन, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, स्पेस साइंस और प्लैनेटरी एक्सप्लोरेशन और क्षमता निर्माण हैं। इसरो ने नासा के साथ एक जॉइंट सैटेलाइट मिशन के लिए समझौता किया है, जिसका नाम निसार (नासा इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार) है, जो अभी अपने एडवांस स्टेज पर है। फ्रेंच नेशनल स्पेस एजेंसी के साथ इसरो ने तृष्णा नाम से एक जॉइंट सैटेलाइट मिशन के लिए सहयोग किया है, जो प्रारंभिक चरणों में है। इसरो ने जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी के साथ एक जॉइंट लूनर पोलर एक्सप्लोरेशन मिशन को साकार करने के लिए एक प्रैक्टिकल स्टडी भी की है। इस बीच,

केंद्रीय सिंह ने कहा कि सरकार ने भारत के ह्यूमन स्पेसफ्लाइट मिशन, गगनयान कार्यक्रम के लिए फंडिंग को बढ़ाकर 20,193 करोड़ रुपए कर दिया है। गगनयान मिशन अब 2028 तक दो क्रू स्पेस फ्लाइट संचालित करने की योजना बना रहा है। कार्यक्रम में दो क्रू और छह बिना क्रू वाले कुल आठ मिशन होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विदेशों में हिन्दू मन्दिरों पर हमले दुर्भाग्यपूर्ण

अमेरिका के अलग-अलग राज्यों में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाए जाने को खालिस्तान समर्थकों से जोड़कर देखा जा रहा है। दक्षिण कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स इलाके में स्थित मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे गए अरैर मन्दिर को क्षति पहुंचाई गयी। माना जा रहा है कि खालिस्तान जनमत संग्रह से पहले साजिश के तहत ये हमला किया गया है। कुछ दिन पहले न्यूयार्क में भी स्वामीनारायण मंदिर पर भी हमला हुआ था।

(लेखक- ललित गर्ग)

खालिस्तानी अलगाववादियों से जुड़े कुछ अराजक तत्वों ने एक बार फिर अमेरिका में कैलिफोर्निया स्थित स्वामी नारायण मंदिर पर हमला किया है, हिन्दुओं वापिस भारत जाओ जैसे आपत्तिजनक संदेश लिखकर मंदिर को क्षति पहुंचायी गई है। हिन्दू मन्दिरों एवं आस्था पर बार-बार हो रहे ये हमने दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है। आतंक फैलाने की मंशा से मंदिरों पर हमले की ऐसी घटनाओं का बार-बार होते रहना चिन्ता का सबब है। ऐसे पृथकतावादी तत्व हिंदुओं के खिलाफ विषवमन करके अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं एवं दवाब बनाना चाहते हैं। भारतीय सांझा संस्कृति में मिलजुलकर रहने वाले समाजों को विभाजित करके घृणा, नफरत एवं द्वेष उत्पन्न करने वाले तत्वों को न केवल बेनकाब करने की जरूरत है बल्कि उन्हें नेस्तनाबूंद किया जाना चाहिए। बात केवल खालिस्तानी अलगाववादियों की नहीं है, मुस्लिम आतंकवादी भी विभिन्न देशों में हिन्दू धर्म, मन्दिर, आस्था एवं संस्कृति पर ऐसे ही हमले करके दहशत फैला रहे हैं। हिन्दू समुदाय नफरत के खिलाफ मजबूती से खड़ा है, वह कभी भी नफरत को जड़ नहीं जमाने देंगा। लेकिन अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों द्वारा ऐसे मामलों की अनदेखी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई न करना विडम्बनापूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है। भारत सरकार को भी कड़े कदम उठाते हुए सख्त संदेश देना चाहिए।

अमेरिका के अलग-अलग राज्यों में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाए जाने को खालिस्तान समर्थकों से जोड़कर देखा जा रहा है। दक्षिण कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स इलाके में स्थित मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे गए अरैर मन्दिर को क्षति पहुंचाई गयी। माना जा रहा है कि खालिस्तान जनमत संग्रह से पहले साजिश के तहत ये हमला किया गया है। कुछ दिन पहले न्यूयार्क में भी स्वामीनारायण मंदिर पर भी हमला हुआ था। 25 सितंबर को कैलिफोर्निया के सेक्रामेंटो स्थित स्वामीनारायण मंदिर को भी निशाना बनाया गया था, तोड़फोड़ की गई और उस पर आपत्तिजनक संदेश भी लिख दिए गए हैं। आपत्तिजनक यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा में सक्रिय ऐसे तत्वों को इन देशों की सरकारों द्वारा राजनीति के चलते खुला समर्थन देना एवं अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर प्रश्रय दिया जाना बर्दाश्त से बाहर होता जा रहा है, कब तक खामोश रहा जाये? कैलिफोर्निया में स्वामीनारायण मंदिर पर हुई घटना से पहले लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर के गाड़ी के सामने खालिस्तान समर्थकों ने प्रदर्शन किया था, जिसे सामान्य घटना नहीं माना जा सकता। जो खालिस्तान समर्थक विदेश मंत्री के काफिले तक कूद गया, वह सुनियोजित ढंग से हमला भी कर सकता था। निश्चित तौर पर यह ब्रिटिश पुलिस की कोताही एवं लापरवाही है। उस समय खालिस्तानी उग्रवादी ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' का भी अपमान किया।

विडंबना यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा के साथ पाकिस्तान, बांग्लादेश की सरकारें ऐसे हमलों व मंदिरों को अपवित्र करने, उनको नुकसान पहुंचाने, अराजक माहौल खड़ा करने की घटनाओं को अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में रखकर आंखें मूंद लेती हैं या कुछ देश कट्टरतावाद के चलते उन देशों के अल्पसंख्यक समुदायों पर तरह-तरह के हमले होने देती है। यह विडम्बना ही है कि जब दूसरे देशों में उनके धर्म के लोगों के पूजा स्थलों पर हमले होते हैं तो उसे धार्मिक आजादी व मानवाधिकारों का संकट बताने लगते हैं, फिर हिन्दू मन्दिरों एवं आस्था पर हो रहे ऐसे हमलों को लेकर दोहरी मानसिकता एवं दोहरा मापदण्ड क्यों? क्यों भेदभावपूर्ण मानसिकता है? निश्चित रूप से ऐसे ही रवैये से भारत के साथ इन देशों के संबंधों में खटास आती है। ऐसे ही अलगाववादियों के कृकृत्यों व कनाडा सरकार के अलगाववादियों को संरक्षण देने के चलते ही दोनों देशों के संबंध सबसे खराब दौर में पहुंचे हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमलों के कारण ही दोनों देशों के संबंध बिगड़ चुके हैं। आतंक से जो जन्मती है, वह संस्कृति नहीं होती है, उसमें पाशविकता होती है, उसमें जानवर विद्यमान होते हैं। ऐसे व्यक्ति, संगठन एवं देश किसी के प्रिय नहीं हो सकते, वे मानवता को त्राण नहीं, संत्रास देते हैं।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस तरह की कुत्सित कोशिशों की तीव्र निंदा एवं भर्त्सना की है, सवाल यह उठता है कि जब ऐसी आजादी किसी सभ्य समाज के अहसासों से खिलवाड़ करे और दूसरों की धार्मिक आजादी का अतिक्रमण करने लगे तो क्या उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? दरअसल, ये घटनाक्रम इन देशों के दोगले मापदंड उजागर करते हैं। दूसरे देशों में सांप्रदायिक असहिष्णुता और कथित भेदभाव के आंकड़े जारी करके दबाव बनाने वाले तथाकथित सभ्य देश अपने क्रियाकलापों से बेनकाब हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में करीब एक दर्जन मंदिरों को अपवित्र करने की कुत्सित कोशिश हुई, लेकिन ऐसे तत्वों के खिलाफ दिखावे के लिये भी कार्रवाई नहीं की गई। किसी हमले की जांच भी नहीं हुई। जबकि प्रत्येक संप्रदाय की धार्मिक आजादी की रक्षा करना अमेरिकी सरकार का नैतिक दायित्व है। अमेरिका खुद को धर्मनिरपेक्षतावादी एवं मानवाधिकार का हिमायती मानता है। आखिर अमेरिका जैसे शक्तिसंपन्न राष्ट्र में मंदिरों को सुरक्षा क्यों नहीं मुहैया करायी जाती? बीते साल भी कनाडा में हिंदू महासभा के मंदिर में हमला करके बच्चों व महिलाओं तक को पीटा गया था। लेकिन ट्रूडो सरकार खामोश रही। लेकिन जैसी करनी वैसी भरनी की कहावत के अनुसार ट्रूडो सरकार बिखर गयी, धराशायी हो गयी। निश्चित रूप से पश्चिमी देशों की सरकारों को अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा व गरिमा तय करनी होगी।

लगातार हो रहे इन हमलों के बाद भी हिन्दू समुदाय शांति और करुणा की ही बात करता आया है। पर एक बड़ा सवाल ये है कि आखिर कब तक यह सिलसिला चलेगा? क्या अमेरिकी एवं ब्रिटेन प्रशासन इस पर कोई ठोस कदम उठाएंगे? हाल ही में ब्रिटिश गृह मंत्रालय की रिपोर्ट में ऐसे अतिवादियों के उभार को ब्रिटिश कानून व्यवस्था के लिये खतरा बताया गया था। आतंक किसी एक देश नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिये गंभीर खतरा है। लेकिन इसके बावजूद ऐसे मामलों की अनदेखी की जा रही है। निश्चित तौर पर छोटी घटनाओं को नजरअंदाज करने से कालांतर में बड़ी हिंसक गतिविधियों को ही प्रश्रय मिलता है। प्रतिबंधित आतंवादी संगठन सिख फॉर जस्टिस कनाडा सहित कई देशों में लगातार भारत विरोधी अभियान चला रहा है। 17 नवंबर 2024 को न्यूजीलैंड में भी ऐसा ही अभियान चलाने की कोशिश की गई और भारत विरोधी नारे लगाते हुए खालिस्तान का झंडा लहराया गया। लेकिन न्यूजीलैंड के नागरिकों ने इसका विरोध किया और खालिस्तान समर्थकों के मनसूबों को सफल नहीं होने दिया।

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत के बढ़ते कदमों को रोकने के लिये आतंकी संगठन और दुश्मन देश आतंक का सहारा ले रहे हैं। सरकार की नीति, सशक्त सुरक्षा व्यवस्था, सरकार की सतर्कता के चलते ही आतंकवादी संगठन एवं आतंकवादी अपने मनसूबों में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। अधिक सावधान एवं सख्त होने की अपेक्षा है, अन्यथा भारत की सारी प्रगति को आतंकवाद खा जायेगा।

क्योंकि लगातार असफलता से खीझे एवं बौखलाये हुए आतंकी कोई-न-कोई नई और अधिक खौफनाक आतंकी घटना को अंजाम देने में जुटे रहते हैं, हमारी सुरक्षा एजेंसियों को अधिक सतर्कता बरतने की अपेक्षा है। दुनिया के शक्तिसंपन्न राष्ट्र भी मंथन करें आतंक रूपी विष और विषमता को समाप्त करने का, शांतिपूर्ण दुनिया निर्मित करने का।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सबसे प्रदूषित

यह खबर शर्मनाक है कि दुनिया के सबसे प्रदूषित बीस शहरों में तेरह शहर भारत के हैं। ऐसी खबरों से दुनिया में कैसी छवि बनेगी, कहने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन ऐसी खबरें विदेशी निवेश व विदेशी पर्यटकों की सोच को जरूर नकारात्मक बना सकती हैं। उल्लेखनीय है कि स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी आई.क्यू. एअर द्वारा जारी वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2024 बताती है कि दिल्ली वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी बनी हुई है। गंभीर चिंता इस बात की है कि भारत दुनिया का पांचवां सबसे ज्यादा प्रदूषित देश बना है। उल्लेखनीय बात यह है कि वर्ष 2023 में भारत तीसरे स्थान पर था। लेकिन इस रिपोर्ट में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि देश का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर दिल्ली नहीं बल्कि मेघालय का बर्नीहाट लिस्ट में टॉप पर है। हालांकि, कहना मुश्किल है कि बर्नीहाट की यह स्थिति किसी परिस्थिति के कारण कुछ समय के लिये थी या स्थायी रूप से बनी हुई है। निश्चय ही हमारी राजधानी का दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषित होना और देश के तेरह शहरों का शीर्ष बीस प्रदूषित में शुमार होना परेशान करने वाला है। जब किसी शहर के उच्च प्रदूषित होने की बात करते तो यह नीति-नियंताओं की नाकामी और जनमानस की लापरवाही व उदासीनता को ही दर्शाता है। आई.क्यू. एअर द्वारा जारी वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2024 में भारत में पीएम 2.5 सांद्रता में सात फीसदी की गिरावट देखी। जो वर्ष 2023 में 54.5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी और फिलहाल 50.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है। बहरहाल, वायु प्रदूषण की ये स्थितियां स्वास्थ्य के लिये गंभीर जोखिम की वजह बनी हुई हैं। एक अनुमान के अनुसार वायु प्रदूषण से औसतन व्यक्ति का जीवन 5.2 साल कम हो रहा है, जो स्थिति की गंभीरता का ही परिचायक है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष प्रकाशित लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ अध्ययन के अनुसार प्रदूषण की वजह से वर्ष 2009 से 2019 के बीच हर साल पंद्रह लाख मौतें हुई हैं। देशव्यापी प्रदूषण में पीएम 2.5 की घातकता को लेकर कई अध्ययन सामने आए हैं। दरअसल, 2.5 माइक्रोन से छोटे वायु प्रदूषण कण हमारे फेफड़ों और रक्तप्रवाह में सेंध लगाते हैं, जिससे श्वसन तंत्र को नुकसान पहुंचता है, जिसके चलते सांस लेने में दिक्कत होती है। साथ ही हृदय रोग और कैंसर का खतरा भी बढ़ सकता है। इन प्रदूषण कारक कणों के फैलने के कई कारण हमारी जीवनशैली में बदलाव से भी जुड़े हैं। मजबूत सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का न होना भी एक कारण है। वहीं वाहनों के धुएं, औद्योगिक एमिशन का निस्तारण न होने, जीवश्म ईंधन के अधिक प्रयोग, फसल के अवशेष व लकड़ी जलाने से भी इसमें वृद्धि होती है। देश की राजधानी दिल्ली में तो गाहे-बगाहे स्थिति बेहद चिंताजनक होती है। यहां तक कि प्रदूषण का हाई लेवल यानी पीएम 2.5 का सालाना औसत 91.6 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर रहा है। इसके अलावा विश्व स्वास्थ्य संगठन के तमाम मानक ऐसे हैं जिनकी कसौटी पर हम खरे नहीं उतरते। हालांकि, प्रदूषण फैलाने में कई प्राकृतिक कारण भी हैं, जिसमें धुंध और अलनीनो प्रभाव भी शामिल हैं। लेकिन यह हमारी चिंता का विषय होना चाहिए कि देश के कई शहरों में पीएम 2.5 कणों का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्धारित मानकों से दस गुना ज्यादा है।

होली का घटता रंग कारण क्या?

(लेखक- संजय गोस्वामी)

अब होली का रंग शहरों में बिलकुल घट गया है क्योंकि अब या तो व्हाट्सप्प और मोबाइल से फ़ोन कर ही होली मना लेते हैं लेकिन पहले याद करें होली कैसे मनाई जाती थी और इसका मतलब क्या था देखिए क़ोई भी पर्व आपसी भाईचारा, बड़ो को सम्मान व मनोरंजन के लिए होता था और जरुरी भी है 1980-96 के दौर तक होली का असली रंग देखने को मिला जो बाद में ख़त्म सी हो गई दरअसल पहले होली के शुरुआत में ही जश्न मनता था और कुछ दिन पहले डर से लोग अच्छा कपड़ा नहीं पहनते थे क्योंकि क़ोई छत से रंग ना फेंक दें और इस पर्व में पहले टूटे हुए रिश्ते जुड़ते थे पहले होली के एक दो दिन पहले लोग चंदा लेते थे और अगजा यानी होलिकादहन करते थे और जो चंदा नहीं देता था उसके घर में कचरा फेंक देते थे उस समय 5रूपये बहुत था और लोगों में अगज्जा जलाने का एक दिल में चिंगारी होती थी जो लकड़ी आदि को बहुत अच्छे से चौराहा पर सजाते थे और ऐ सिलसिला हर गली मुहल्ले में होता था और उस समय घर पर जाकर लोग दरवाजा खटखटा कर लोगों को करीब 8बजे रात में बुलाते थे और जब सब इकट्ठा होते तो जलाने के बारे में बताया जाता और भक्त प्रहलाद और होलिका के बारे में बताया जाता और उसमें जो सबसे बड़े होते थे सभी लोग वहाँ पर भेदभाव भुलाकर एकता का परिचय देते जो चंदा नहीं देते वो नहीं आते थे और मुझे याद है जब मेरे स्व दादाजी स्व कैलाश नारायण गोस्वामी 1988 में जब सबसे बुजुर्ग हुए तो आदर सहित उन्हें आग जलाने को कहा गया था प्रभु राम का नाम लेकर अबीर गुलाल बर्तन में रखकर दीप जला कर आग को एक लकड़ी के डंडे में कपड़ा लपेटकर आग जलाया जाता और सबसे छोटा और हमेशा याद रखने वाला नाम जय श्री राम का जयघोष कर आग जलाया जाता था फिर आग के तपीस से लोग दूर हटकर बड़े को पैर छू कर आशीर्वाद लेते थे और फिर लोग अपने अपने घरों में वापस चले जाते थे फिर जब होली के दिन सुबह 4-5बजे लोग घर से बाहर निकलते तो कुछ कच्चा आलू लेकर आते थे उस समय घर की औरते पकवान बनाने का काम करती थी और सास बहू सब मिलकर पकवान और दाहिवड़ा बनाते थे सुबह जब लोग आलू पकाने हेतु अगजा के पास रहते तो उस समय आग बुझ जाती थी लेकिन आग में आलू पकने तक तो गर्म लकड़ी होता था और लोग सब मिलकर आग में आलू पकाते थे बाद में पकाकर लोग कुछ अपने घरों में चले जाते थे कुछ बाद में आते थे और जैसे ही सुबह के 6बजे होता तो लोग एक दूसरे पर रंग डालते थे और रंग नहीं था तो कीचड़ में ही लोग डाल देते थे और फिर रंग का कार्यक्रम चालू होता बड़े बड़े पिचकारी से रंगों की बौछार हो जाती उस समय जवानी जोश पर था और लड़की लडको को खुब ग़ौर से आँखे गड़ा कर देखती थी छतपर क़ोई छोटे भाई से लेटर लड़की या लड़का के हाथो भिजवा देती थी और उसमें लिखा होता मैं तुम से प्यार करती हूँ तुम्हारे बिना नहीं जी सकती उस समय जो प्रेम के भाव थे वो सेक्स से सम्बंधित नहीं होते थे वो उसके काबिलियत को देखकर फ़िदा होता था जैसे एक मैच में होली के कुछ दिन पहले क्रिकेट खेला और मुझे मालूम ही नहीं बगल में लड़की का कॉलेज है 4-5 छक्का जड़ दिया और एक गेंद तो कॉलेज के छत पर ही जा पहुँचा और बाद में टीचर से माफी मांग कर गेंद ले लेते थे उस होली के दिन एक सुन्दर लड़की को मालूम हुआ ऐ हीटर है और मेरे छोटे भाई को एक लड़की ने ख़त दे दिया संजय मैं तुम्हारे बिना नहीं जी सकती और फिर मैंने पिताजी को दे दिया पिताजी उनके पिताजी को समझा बुझाकर मामला शांत किया भाई मैं जब कुछ कर ही नहीं रहा तो कैसे शादी कर लूँ नौकरी इतनी आसानी से नहीं मिलती है जब इंटर साइंस में पास कर नौकरी के चाहत में स्टॉफ सिलेक्शन का लोअर डिवीज़न कलर्क पोस्ट के लिए पोस्ट ऑफिस में पोस्टल ऑर्डर खरीदने गया तो सुबह से ही लाइन लगी थी 8घंटे बाद नंबर आया और पोस्टल ऑर्डर मिला फिर याद आया फोटो एक कम हो गया तो बगल से ही तुरंत फोटो क़ोई स्टूडियो में नहीं बल्कि चौराहे पर ही तुरंत फोटो खींचने वाला अंदर से हाथ घुमा घुमा कर ब्लैक एंड वाइट फोटो खींचा और फॉर्म भरा गया मैंने पूछा आखिर इतना भीड़ क्यों है लोग कहने लगे 10-15रूपये में नौकरी मिल जाएगी इससे अच्छा क्या है जब एग्जाम देने की बारी आई तो एडमिट कार्ड कहीं किताब में ही खो गया बाद में बैंक रेलवे आदि बहुत से फॉर्म भरें और क्रेश्चन नहीं सेंटर पर भीड़ देखकर गबड़ा गया और मायूस हुआ ईश्वर ने समझाया कर्म करो, और बाद में आगे की विज्ञान की पढ़ाई जारी रक्खी बिहार में उस समय लालू जी की सरकार थी बिना पैसे दिए नौकरी मिलना मुश्किल था क्योंकि रिटेन के बाद इंटरव्यू में फेल करना आसान था बाद में अच्छे रिसर्च सेंटर में वैज्ञानिक कार्यों में नौकरी मिली और जब घर पर जोइनिंग लेटर आया तब उस लड़की की शादी नहीं हुई थी फिर बादाम की दुकान पर डरते डरते बातें हुई उस समय का प्रेम में ऐसी खुशबी थी जिसमे सेक्स का क़ोई महत्व नहीं था बाद में जब होली के समय ट्रेनिंग के समय घर आया और उसके परिवार से मिलने गया तो मालूम हुआ उसकी शादी हो चुकी थी फिर मैंने उसके माँ को ऐ बात बताई तो कहा वो भी तुम्हे चाहती थी लेकिन तुम तो बड़े बाबू बन गए हों उतना दहेज़ कहाँ देती और होली में रंग का भंग हों गया खैर सुबह अच्छे से होली मनाई और फिर उसे मुड़कर भी नहीं देखा और सोचा लोग कैसे गिरगिट की तरह बदलते हैं जब आप कुछ नहीं कर होते हैं तो कौन प्यार होने पर लड़की के सिवा कौन पूछेगा बाद में कुछ लोग खुश होते है और कुछ नाराजगी भी प्रकट करते हैं होली के दिन वो लड़की भी छत पर देखने को मिली लेकिन पीछे मुड़कर उसके बाद ताकने ही हिम्मत नहीं हुई रंग खूब लगा घर घर में घुस कर रंग लगाया और सब परिवार में पूछते संजय भैया क्या लाए हैं किसी को घड़ी किसी को टेपरिकॉर्डर रेडियो आदि से खुश किया भले ही पैसे बचाने के लिए रेल में एसी की जगह स्लीपर से ही,2000किलोमीटर चल आए होली में उस दिन चाचाजी और सभी बड़ो का पैर छूते थे और फिर भाँग का ठंडई बना ज़िन्दगी में वो एक सुनहरा पल था जो रिश्ता को बहुत ही मजबूत करता था उनके आशीर्वाद से और दोपहर 2-3 बजे तक होली खेला और फिर नहाने चले गए जहाँ करीब एक घण्टा से अधिक समय रंग छुराने में लगा और फिर नहा कर बापस निकलें और कुर्ता पैजामा पहना फिर इत्र लगाकर हम और भाई और पिता जी अपने अपने रिश्तेदार के पास गए और पुड़ी पुवा दाहिवाड़ा खुब जमकर खाया उसके बाद बड़ो को पैर पर अबीर लगाया और ऐसे बहुत से घर का दौड़ा हुआ मित्रता बढ़ी बड़ो का आशीर्वाद मिला और जब घर आया तो यहाँ भी लोगों के पहुँचने का सिलसिला जारी था फिर ठंडई पी रात को करीब 10 बजे भाँग के ठंडई से जो नींद आया तो सुबह 12बजे सोकर उठा और लगा जैसे होली का नशा उतर गया।

(चिंतन-मनन)

एक प्रवाह है जीवन

जीवा एक प्रवाह है। वह रुकता नहीं, बहता रहता है। जो बहता है, वही प्रवाह होता है। जिसमें ठहराव है, गतिहीनता है, वह प्रवाह नहीं हो सकता। प्रवाह स्वच्छता का प्रतीक है, जबकि ठहराव में गंदगी की संभावना बनी रहती है। प्रवाह में जीवनी शक्ति है, जबकि ठहराव में अस्तित्व का लोप संभव है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के प्रवाह को आगे बढ़ाना चाहेगा। सवाल एक ही है कि जीवन कैसा हो? भारतीय संस्कृति में उस जीवन को प्रशस्त जीवन माना गया है जो शांत हो, संतुष्ट हो, पवित्र हो और सानंद हो। शांति, संतुष्टि, पवित्रता और आनंद जीवन की महान उपलब्धियां हैं। इनका संबंध बाह्य पदार्थों से नहीं, व्यक्ति की अपनी वृत्तियों से है। पदार्थों का ढेर लग जाए तो भी वहां शांति का जन्म नहीं हो सकता। संतोष की प्राप्ति भी पदार्थ से नहीं हो सकती।

संसार की संपूर्ण सुख-सुविधाएं कदमों में आकर बिछ जाएं, फिर भी तोष का अनुभव नहीं होता। तीसरा तत्व है पवित्रता। उसका पदार्थ के साथ कोई रिश्ता ही नहीं है। पदार्थ के साथ जितना गहरा अनुबंध होता है, पवित्रता पर उतना ही सघन आवरण आ जाता है। पवित्रता नहीं है तो आनंद कहां से आएगा? आनंद का निवास तो चित्त की पवित्रता में ही होता है। ऐसी स्थिति में सार्थक जीवन जीने की आकांक्षा अधिक दूभर हो जाती है।

शांति का उत्स संयम है। जो लोग संयम से जीते हैं, विशिष्ट शांति का अनुभव करते हैं। स्वतंत्रता से संतोष की प्राप्ति होती है। सोने के पिंजरे में कैद पंछी को कितने ही मेवे-मिष्ठान मिल जाएं, वह कभी संतुष्ट नहीं हो सकता। परतंत्रता चाहे बाहर की हो, या भीतर की; वहां आत्मतोष नहीं मिल सकता। जीवन में पवित्रता तब तक नहीं उतर सकती, जब तक साधन-शुद्धि न हो। आनंद का अनुभव उस व्यक्ति को होता है जो स्वस्थ रहता है। इस प्रकार का जीवन भारतीय संस्कृति का जीवन है। ऐसा जीवन कोई भी जी सकता है, बशर्ते कि वह इतना उदात्त जीवन जीना चाहे। जीवन की सार्थकता और व्यर्थता उसकी शैली पर निर्भर है।

विचार मंथन

ट्रंप के लिए अवसर कम और चुनौतियां ज्यादा

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

अमेरिका के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रंप चाह रहे हैं कि पूरी दुनियां उनकी सोच और समझ के हिसाब से ही चले। जो कि स्वयं अमेरिका में भी संभव नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका में ही अलग-अलग विचारधारा के लोग मौजूद हैं, जो हरगिज नहीं चाहेंगे कि उन पर ट्रंप की विचारधारा को थोपा जाए। रही बात विश्व पटल की तो इस पर काबिज होने के लिए ट्रंप लगातार सियासी और आर्थिक चालें चल रहे हैं। राष्ट्रपति बनते ही अपने उद्घाटन भाषण में, ट्रम्प ने विदेश नीति और व्यापार के लिए 'अमेरिका फर्स्ट' का दृष्टिकोण दिया। इसे लेकर समझा गया कि ट्रंप अमेरिका के व्यापारिक घाटे को कम करने और गठबंधनों के भीतर बोझ साझा करने की दृष्टि के कारण ऐसा कह रहे हैं, लेकिन जब बात दुनियां के समझ में आई तो सभी ने यह कह दिया कि जैसे ट्रंप के लिए अमेरिका फर्स्ट है, वैसे ही किसी और देश की सरकार के लिए उसका अपना वतन पहले है। ऐसे में कोई भी समझौता बराबरी वाला होगा तभी आगे बढ़ा जा सकेगा, फिर चाहे वह टैरिफ लगाने का मामला ही क्यों न हो। इससे पहले ट्रंप ने अपनी विचारधारा को आगे रखते हुए संयुक्त राष्ट्र को ही अमेरिका विरोधी करार दिया था और संयुक्त राष्ट्र की फंडिंग की समीक्षा करने की मांग तक रख दी थी। इसके बाद उन्होंने फंडिंग रोकने और अमेरिका को बाहर निकालने तक के बयान दे दिए। यही नहीं रुस और यूक्रेन युद्ध को लेकर ट्रंप ने रुस के प्रति जो नरम रुख दिखाया उससे भी दुनियां हैरान रह गई। यूक्रेन से उसका खजाना मांग लेना और दबाव बनाना कि युद्ध बिना किसी शर्त के रोक दिया जाए। चीन से मिलने वाली व्यापारिक चुनौतियों को दरकिनार कर ट्रंप एक अलग रास्ते पर जाते हुए दिखे हैं। यही नहीं अपने पड़ोसी देशों को अपना राज्य घोषित कर दुनियां को चौंकाने का काम भी ट्रंप कर रहे हैं। यह अलग बात है कि कनाडा और मैक्सिको ने इसका बेहतर जवाब दिया है और दुनियां के तमाम देशों को अपने अस्तित्व को बचाए रखने और मान-मर्यादा में रहने का संदेश भी दे दिया है। बात गाजा की करें तो यहां पर भी ट्रंप ने इजराइल और खाड़ी देशों की अनदेखी कर ट्रंप सोसायटी बनाने का ऐलान कर सभी को जगाने जैसा काम कर दिया है। रही सही कसर हथकड़ी और बेड़ियों में जकड़कर अवैध अप्रवासियों को उनके देश भेजने का काम करके ट्रंप ने पूरी कर दी है। यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि जो लोग यह समझ रहे थे कि ट्रंप सिर्फ गैर कानूनी तरीके से अमेरिका में रह रहे विदेशियों को बाहर करने का काम करेंगे तो उन्हें बतला दिया जाना उचित होगा कि अब वो ग्रीन कार्ड धारियों को भी बाहर का रास्ता दिखाने से चूकेंगे नहीं। अगर यकीन नहीं आता तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के ग्रीन कार्ड होल्डर्स को लेकर दिए गए इस बयान को ही देख लें, जिसमें उन्होंने कहा कि ग्रीन कार्ड होल्डर्स हमेशा अमेरिका में नहीं रह सकते हैं। वेंस ने एक साक्षात्कार के दौरान स्पष्ट किया है कि सरकार के पास ग्रीन कार्ड होल्डर्स को निकालने का भी अधिकार है। यह सच है कि ग्रीन कार्ड को कानूनी तौर पर स्थायी निवासी कार्ड माना जाता है। इसके जरिए स्थायी तौर पर रहते हुए काम करने का अधिकार मिलता है, बशर्ते कि व्यक्ति ऐसे किसी अपराध में शामिल न हो जिससे इमिग्रेशन कानूनों का उल्लंघन होता हो। यहां बताते चलें कि अमेरिका में ग्रीन कार्ड रखने वाले लोगों में मेक्सिको के बाद भारतीय दूसरे नंबर पर आते हैं। वैसे यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जबकि राष्ट्रपति ट्रम्प, 'ट्रम्प गोल्ड कार्ड' नाम के एक वीजा प्रोग्राम को बढ़ावा दे रहे हैं। इसलिए समझा जा रहा है कि यह पूरी कबायद अधिक धन बसूली वाली है, क्योंकि इस प्रोग्राम के तहत विदेशी नागरिक 5 मिलियन डॉलर यानी करीब 44 करोड़ रुपए देकर अमेरिका की नागरिकता हासिल कर सकते हैं। ट्रम्प इसे अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने का बेहतर रास्ता बताते हैं। यही नहीं ट्रम्प ने 'गोल्ड कार्ड' को ईबी-5 वीजा प्रोग्राम का विकल्प भी बताया है और यदि सब सही रहा तो भविष्य में 10 लाख गोल्ड कार्ड बेचे जा सकते हैं। बात यही है कि ट्रंप की नीति फालो करें वर्ना देश निकाला और दुनियां के देशों के लिए मुसीबतें तो मुंहबाए खड़ी ही हैं। इससे हटकर ट्रंप ने एक और ऐलान किया है जिसके बाद पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, सीरिया, क्यूबा, उत्तर कोरिया और म्यांमार जैसे 41 देशों के नागरिक अमेरिका में कदम भी नहीं रख पाएंगे। कारण यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 41 देशों पर व्यापक यात्रा प्रतिबंध लगाने की योजना पर विचार कर रहे हैं। इस प्रकार ट्रंप ने बड़ी संख्या में दुनियां के देशों को दुखी और नाराज करने का बीड़ा उठा रखा है। दक्षिण अफ्रीका के साथ संबंध बिगड़ना, भारतीय छात्रा का वीजा रद्द करना, रूस के आगे अमेरिकी कूटनीति का विफल हो जाना, और यूरोपीय देशों का एफ-35 से दूरी बनाना, यह सभी संकेत देते हैं कि अमेरिका के लिए वैश्विक अवसर कम होते जा रहे हैं और चुनौतियां बढ़ रही हैं। ये तमाम ऐसे उदाहरण हैं जिन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की विश्वसनीयता को खतरे में डाल दिया है। इस कारण भी अमेरिका के लिए अब वैश्विक परिदृश्य में चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंडसइंड बैंक के टॉप प्रबंधनों को पता थी गड़बड़ी, ऊंचे दामों पर बेंच दिए अपने-अपने हिस्से के शेयर

अब सबकी नजर एक्सटर्नल ऑडिट पर

मुंबई ।

इंडसइंड बैंक इनदिनों सुर्खियों में बना हुआ है। बैंक के शेयरों में भारी गिरावट हो रही है। 11 मार्च को एक ही दिन में शेयर की कीमत 27 प्रतिशत तक टूट गई। इस गिरावट की मुख्य वजह बैंक के अकाउंटिंग में हुई गड़बड़ी है। इसके चलते छोटे निवेशकों को करोड़ों का नुकसान हुआ है। यह नुकसान और भी बढ़ सकता है। इसका कारण है कि अभी एक्सटर्नल ऑडिट होना बाकी है। इस खबर से बैंक के शेयरहोल्डर्स का भरोसा टूट गया है। मैनेजमेंट पर भी सवाल उठ रहे हैं। वहीं बैंक के माइक्रोफाइनेंस लोन में भी दिक्कतें आ रही हैं। वे या बैंक के टॉप मैनेजमेंट को इस बारे में पहले से ही पता था। दरअसल 11 मार्च को इंडसइंड बैंक के शेयरों में अचानक 27 प्रतिशत की गिरावट आई। पिछले कुछ दिनों में शेयर 35 प्रतिशत तक गिर चुका है। बैंक की वैल्यू 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा घट गई है। अब इसकी मार्केट कैप करीब 51,000 करोड़ रुपये है जो यस बैंक के बराबर है। अगर शेयर की कीमत और गिरती है, तब इसकी मार्केट कैप छोटे फाइनेंस बैंकों जितनी हो जाएगी। जैसे एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक है। यह चिंता की बात है।

कारण है कि इंडसइंड बैंक भारत का पांचवां सबसे बड़ा निजी सेक्टर बैंक है।

10 मार्च को बैंक ने एक नोटिस जारी किया। इसमें बताया गया कि आरबीआई के निर्देशों के अनुसार इंटरनल ऑडिट में कुछ अकाउंटिंग गड़बड़ी मिली है। आरबीआई मास्टर डायरेक्शन के हिसाब से बैंक ने इंटरनल ऑडिट किया तब बैंक को पता चलता कि कुछ अकाउंटिंग गलतियां हैं। इस नोटिस में कई टेक्निकल शब्दों का इस्तेमाल हुआ है। इन्हें आसान भाषा में समझने पर इन गलतियों की वजह से बैंक को 2100 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। एक्सटर्नल ऑडिट के बाद यह नुकसान और भी बढ़ सकता है। यह नुकसान बैंक की नेटवर्थ का 2.35 प्रतिशत है। यह गलती हेजिंग कॉस्ट से जुड़ी है। हर बैंक विदेशी मुद्रा में लेनदेन करता है। विदेशी मुद्रा की कीमतें घटती-बढ़ती रहती हैं। इससे होने वाले नुकसान से बचने के लिए बैंक हेजिंग करते हैं। हेजिंग में डेरिवेटिव्स, फ्यूचर्स और ऑप्शंस का इस्तेमाल होता है। हेजिंग में कई तरह के चार्ज लगते हैं। इंडसइंड बैंक का ट्रेजरी डिपार्टमेंट हेजिंग का काम देखता है। यह डिपार्टमेंट दो टीमों में बंटा है इंटरनल और एक्सटर्नल। दोनों टीमें अलग-अलग तरीके से काम करती थीं। एक्सटर्नल टीम मार्क टू मार्केट (एमटीएम) मेथड का प्रयोग करती थी।

इंटरनल टीम दूसरा मेथड इस्तेमाल करती थी। एमटीएम मेथड से सही तस्वीर दिखती है। लेकिन, इंटरनल टीम के मेथड से सही तस्वीर नहीं मिल पा रही थी। कई बार करेंसी ट्रेड पहले ही कर लिए जाते थे। इससे इंटरनल टीम को लगता था कि बैंक को फायदा हो रहा है। जबकि ऐसा नहीं था। इससे बैंक का प्रॉफिट ज्यादा दिख रहा था। ये गलती पिछले 7-8 सालों से हो रही थी।

चौंकाने वाली बात ये हैं कि बैंक के टॉप मैनेजमेंट को भी इस बारे में पता था। सितंबर 2023 में आरबीआई ने एक सर्कुलर जारी किया। इसके बाद इंडसइंड बैंक ने इंटरनल ट्रेड बंद कर दिए।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतों को श निवार को भी संशोधित नहीं किया गया है। श निवार को पेट्रोल और डीजल के भाव स्थिर बने हुए हैं। सरकारी तेल कंपनियां हर सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल के भाव को वेबसाइट पर अपडेट करती हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत की बात करें तो ये 94.72 रुपए है और डीजल प्रति लीटर 87.62 रुपए है। इसके अलावा मुंबई में प्रति लीटर की कीमत 103.94 रुपए और डीजल प्रति लीटर के दाम 89.97 रुपए है। वहीं कोलकाता में प्रति लीटर पेट्रोल का भाव 103.94 रुपए और डीजल का भाव 90.76 रुपए है। चेन्नई में प्रति लीटर पेट्रोल का दाम 100.85 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.44 रुपए प्रति लीटर है। वहीं अन्य बड़े शहरों में भी पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं।

जेएम फाइनेंशियल, एक्सपेरियन क्रेडिट इन्फॉर्मेशन पर जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामकीय अनुपालन में पाई गई कुछ खामियों के लिए जेएम फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स और एक्सपेरियन क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनी ऑफ इंडिया पर जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कहा कि जेएम फाइनेंशियल पर 'गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी-व्यवस्थागत रूप से महत्वपूर्ण गैर-जमा लेने वाली कंपनी और जमा लेने वाली कंपनी' से संबंधित निर्देश के कुछ प्रावधानों का पालन न करने पर 3.1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने एक अलग बयान में कहा कि क्रेडिट सूचना कंपनी (विनियमन) अधिनियम, 2005 और क्रेडिट सूचना कंपनी नियम, 2006 के कुछ प्रावधानों का पालन न करने के लिए एक्सपेरियन क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनी पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई ने कहा कि ये दंड नियामकीय अनुपालन में बरती गई खामियों पर आधारित हैं। इनका उद्देश्य कंपनियों द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर निर्णय लेना नहीं है।

विप्रो की वर्ल्ड बिजनेस लाइन्स में पुनर्व्यवस्थापन की योजना

नई दिल्ली ।

भारत की चौथी सबसे बड़ी आईटी सर्विसेज कंपनी विप्रो ने अपने वर्ल्ड बिजनेस लाइन्स को पुनर्व्यवस्थित करने की घोषणा की है। यह पुनर्व्यवस्थापन 1 अप्रैल से लागू होगा और कंपनी के चार जीबीएल्सको शामिल करेगा, जिसमें टेक्नोलॉजी सर्विसेज, बिजनेस प्रोसेस सर्विसेज, कंसल्टिंग, और इंजीनियरिंग शामिल हैं। मुख्य कार्यकारी ने इस नए डायरेक्शन के बारे में कहा कि यह कदम हमें ग्राहकों की जरूरतों पर और टेक्नोलॉजी के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाएगा। हम अब अधिक प्रभावशाली ट्रांसफॉर्मेशन डिलीवर कर सकेंगे। विप्रो का यह पुनर्व्यवस्थापन उनके ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करने में मदद करेगा और ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष और प्रभावशाली ट्रांसफॉर्मेशन प्रस्तुत करने का संकल्प लेता है।

भारत 2028 तक बनेगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था: रिपोर्ट

मुंबई । भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। यह बात एक रिपोर्ट में कही गई है। इसकी प्रमुख वजह भारत का एक उभरते उपभोक्ता बाजार के रूप में विकास और वैश्विक उत्पादन में इसकी बढ़ती हिस्सेदारी है। स्थिर आर्थिक नीतियां और बुनियादी ढांचे में सुधार भी इस वृद्धि को समर्थन दे रहे हैं। रिपोर्ट में भारत की आर्थिक प्रगति के तीन संभावित परिदृश्यः बेयर, बेस और बुल- उल्लेखित किए गए हैं। इसमें मौजूदा आर्थिक स्थिति, महंगाई, व्यापार, मौद्रिक और राजकोषीय नीति के साथ संभावित जोखिमों पर भी चर्चा की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 2023 में 3.5 ट्रिलियन डॉलर थी, जो 2026 तक 4.7 ट्रिलियन डॉलर और 2028 तक 5.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। इससे भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। 1990 में भारत 12वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, जो 2000 में 13वें और 2020 में 9वें स्थान पर आ गया। 2023 में यह 5वें स्थान पर पहुंच चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक 2029 तक वैश्विक जीडीपी में भारत की हिस्सेदारी 3.5 फीसदी से बढ़कर 4.5 फीसदी हो सकती है।

सप्ताह भर दबाव में रहे घरेलू शेयर बाजार

▸▸ सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 73,828 पर बंद ▸▸ निफ्टी 73 अंक टूटकर 22,397 पर बंद

मुंबई ।

ट्रेड पालिसी में बनी अनिश्चितता और अमेरिका में मंदी की आशंकाओं के बीच कमजोर वैश्विक संकेतों की वजह से इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार दबाव में रहे। हालांकि औदयोगिक उत्पादन और खुदरा महंगाई के अच्छे घरेलू आंकड़ों ने कुछ राहत प्रदान की। हालांकि इस सप्ताह शेयर बाजार में एक दिन कम कारोबार हुआ क्योंकि शुक्रवार को होली के त्योहार के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को बड़ा उतार-चढ़ाव दिखा। शुरुआती कारोबार में मजबूती के बाद बाजार हरे निशान से लाल निशान पर पहुंच गया। दिन के ऊपरी स्तरों से सेंसेक्स में 650 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। शेयर मार्केट में रौनक के बीच सेंसेक्स 74600 के पार जाने के बाद 252 अंकों की बढ़त के साथ 74584 पर खुला और 217.41 अंक या 0.29 प्रतिशत गिरकर 74,115.17 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 22676 के डे हाई पर पहुंचने के बाद 32 अंक ऊपर 22584 पर खुला और 92.20 अंक की गिरावट के साथ 22,460.30 पर बंद हुआ। अमेरिकी मंदी के डर से हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन भी निवेशकों में दहशत का माहौल रहा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 379.79 अंक गिरकर 73,735.38 अंक पर खुला और 12.85 अंक गिरकर 74,102.32 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 108.40 अंक गिरकर 22,351.90 अंक पर खुला और 37.60 अंक बढ़कर 22,497.90 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान पर खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 102.66 अंक बढ़कर 74,204.98 अंक पर खुला और 72.56 अंक गिरकर 74,029.76 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 23.60 अंक बढ़कर 22,521.50 अंक पर खुला और 27.40 अंक गिरकर 22,470.50 पर बंद हुआ। होली से पहले भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को तेजी के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 223 अंक बढ़कर 74,253 पर खुला और 200 अंक गिरकर 73,828 पर बंद हुआ। निफ्टी 48 अंक बढ़कर 22,518 पर खुला और 73.30 अंक टूटकर 22,397.20 के स्तर पर बंद हुआ।

सिटी प्लस मल्टीप्लेक्स ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया

मुंबई ।

एक मल्टीबैगर स्टॉक सिटी प्लस मल्टीप्लेक्स ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। इस शेयर ने सिर्फ 4 साल में 13,620 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया है, जिससे कई निवेशक करोड़पति बन गए हैं। मल्टीप्लेक्स ऑपरेटिंग कंपनी सिटी प्लस मल्टीप्लेक्स, जो डब्ल्यूओडब्ल्यू सिने पल्स ब्रांड नेम के तहत काम करती है, का शेयर 10 मार्च 2025 को 1234.80 रुपए पर बंद हुआ। 12 मार्च 2021 को यह शेयर सिर्फ 9 रुपए का था यानी अगर किसी ने 4 साल पहले इस शेयर में 1 लाख रुपए निवेश किए होते और उसे होल्ड किया होता, तो आज उसकी वैल्यू 1.37 करोड़ रुपए हो गई होती। कंपनी का मार्केट कैप 1300 करोड़ रुपए है और इसका 52 वीक हाई 1321 रुपए है, जो 5 मार्च 2025 को बना था। वहीं, 52 वीक लो 115 रुपए था, जो 13 मार्च 2024 को दर्ज किया गया था। दिसंबर 2024 तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 57.88 लाख रुपए रहा, जो सितंबर तिमाही के 24.54 लाख रुपए की तुलना में दोगुने से अधिक था।

भारत में स्टारलिंक की सेवाएं शुरू करने सरकार के बनाए नियमों पर गहमागहमी

नई दिल्ली ।

भारत में स्टारलिंक की सेवाएं शुरू करने की तैयारी जोश में है, लेकिन सरकारी नियमों का पालन करने में कंपनी को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। सरकार ने स्टारलिंक को भारत में एक नियंत्रण केंद्र स्थापित करने के लिए निर्देश दिया है ताकि देश की सुरक्षा और कानून व्यवस्था की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। स्टारलिंक को भारत में सेवाएं शुरू करने के लिए खास नियमों का पालन करना होगा ताकि आपात स्थिति में संचार सेवाओं पर सरकार का पूरा नियंत्रण बना रहे। इसके साथ ही, स्टारलिंक और सरकार के बीच चल रही बातचीत सुरक्षित और सफल समाधान की दिशा में है। यह स्थिति ऐसी है जिसमें सभी पक्षों को फायदा होगा, लेकिन देश की सुरक्षा की प्राथमिकता बनी रहेगी। भारत में कंट्रोल सेंटर कानून-व्यवस्था की स्थितियों से निपटने के लिए जरूरी माना जाता है। ऐसी स्थिति में तुरंत सैटेलाइट संचार सेवाओं को रोकना पड़ सकता है। एक सूत्र के हवाले से बताया गया है कि जब भी ऐसी कोई आपात स्थिति आती है तो हमसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि हम उनके (स्टारलिंक) दरवाजे खटखटाएं या उनके अमेरिका स्थित मुख्यालय से संपर्क करें। स्टारलिंक ने सरकार को आश्वासन दिया है कि वह इस मामले की समीक्षा कर रही है। भारत के दूरसंचार कानून केंद्र या राज्य सरकार को सार्वजनिक आपातकाल, आपदा प्रबंधन या सार्वजनिक सुरक्षा चिंताओं के मामले में किसी भी दूरसंचार सेवा या नेटवर्क का अस्थायी नियंत्रण लेने की अनुमति देते हैं। इन कानूनों में जरूरत पड़ने पर इंटरनेट बंद करने के प्रावधान भी शामिल हैं।

सोने-चांदी की कीमतों में भारी उछाल, नए रिकॉर्ड बनाए

- एमसीएक्स पर सोना 88,310 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर, चांदी भी उछली

मुंबई ।

सोने और चांदी की कीमतें में तेज़ी बनी हुई है, जो निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। एमसीएक्स पर सोना 88,310 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 3,004.90 डॉलर प्रति औंस तक चढ़ गया। इसी तेजी के साथ चांदी भी उछलकर एमसीएक्स पर 1,01,999 रुपए प्रति किलो के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। वहीं गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 600 रुपए की तेजी के साथ 89,450 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर जा पहुंची। स्थानीय कारोबारियों ने यह जानकारी दी है। बुधवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 88,850 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 600 रुपए बढ़कर 89,050 रुपए प्रति 10 ग्राम के उच्चस्तर पर फिर से जा पहुंचा। पहले यह 88,450 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,000 रुपए की तेजी के साथ करीब पांच माह के उच्च स्तर 1,01,200 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,00,200 रुपए प्रति किलोग्राम बंद हुई थी। आने वाले दिनों में सोने की कीमतें बैंक ऑफ इंग्लैंड, बैंक ऑफ जापान की नीतियों और अमेरिकी रिटेल सेल्स डेटा पर निर्भर करेगी। वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाएं भी कीमतों पर प्रभाव डाल सकती हैं। सोने और चांदी की कीमतों में आने वाले समय में उछाल या गिरावट की ऊपरी मौजूदा का अध्ययन आधारित हो सकती है। इसलिए, निवेशकों को बाजार की संकेतों पर नज़र रखने की आवश्यकता है।

सोने-चांदी की कीमतों में तेज़ी के 5 बड़े कारण इस प्रकार हैं-

- 1. वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता- अमेरिकी टैरिफ पॉलिसी में उतार-चढ़ाव ने वैश्विक व्यापार पर असर डाला है, जिससे सोने की मांग बढ़ रही है।
- 2. ब्याज दर की कटौती की उम्मीद- फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में कटौती की संभावना ने सोने की कीमतों को सपोर्ट किया है।
- 3. डॉलर में कमजोरी- डॉलर में गिरावट ने सोने को निवेशकों के लिए आकर्षक बना दिया है।
- 4. सेंट्रल बैंकों की बढ़ती खरीदारी- वैश्विक सेंट्रल बैंकों ने सोने की खरीदारी में मजबूती बनाई है।
- 5. इक्विटी से सोने की ओर शिफ्ट- अनिश्चितता के कारण निवेशकों का झुकाव सोने की ओर बढ़ा है।

अमेरिका को बर्बाद करने में जुटे ट्रंप, टैरिफ वॉर गंभीर परिणाम लाएगी

आर्थिक मामलों के जानकार की चेतावनी

नई दिल्ली ।

साल 2008 जब अमेरिकी कर्ज संकट के कारण पूरी दुनिया को खामियाजा भुगतना पड़ा था। फिर अमेरिका में वैसी ही स्थिति बनती दिख रही है, इस लेकर दिग्गज निवेशक ने सीधे शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका के कर्ज संकट का पूरी दुनिया पर असर दिखेगा। पहले से ही दबाव में घिरी अमेरिकी अर्थव्यवस्था राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद और दबाव में आ गई है। अमेरिका में आर्थिक मामलों के जानकार ने चेतावनी दी कि अमेरिका अपने बढ़ते कर्ज के साथ गंभीर डिमांड-सप्लाई की समस्या का सामना कर रहा है। यह स्थिति वैश्विक आर्थिक परिणामों पर गहरा प्रभाव डाल सकती है।

जानकार ने कहा कि अमेरिका को बड़ी मात्रा में कर्ज बेचना होगा, लेकिन इस खरीदने के लिए पर्याप्त खरीदार नहीं मिल रहे। जानकार ने बताया कि अमेरिका का घाटा वर्तमान में जीडीपी का 7.2 फीसदी है, इस घाटे को 3 फीसदी तक कम करना होगा। यह एक बड़ी बात है।

आर्थिक मामलों के जानकार ने साल 1930 के दशक में जर्मनी की आर्थिक नीतियों का उदाहरण दिया, जहां कर्ज माफी, टैरिफ बढ़ोतरी और संरक्षणवादी नीतियों का उपयोग घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए किया था। उन्होंने तर्क दिया कि आज भी इसी तरह के पैटर्न दिख रहे हैं, जहां बढ़ता राष्ट्रवाद, संरक्षणवाद और भू-राजनीतिक तनाव वैश्विक आर्थिक नीतियों को आकार दे रहे हैं। इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि टैरिफ देशों के बीच संघर्ष को बढ़ा सकते हैं। जरूरी नहीं कि सैन्य टकराव की बात ही नुकसान पहुंचाती है। आर्थिक लड़ाइयां जैसे अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको और चीन के बीच चल रहा टैरिफ वॉर भी दुनियाभर में गंभीर परिणाम ला सकती हैं। लिहाजा सभी इन आर्थिक और भू-राजनीतिक तनावों पर ध्यान दें, क्योंकि ये अप्रत्याशित और विघटनकारी बदलाव ला सकते हैं।

इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंपल वनएस लॉन्च

कर्नाटक ।

स्वदेशी कंपनी सिंपल एनर्जी ने अपने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंपल वनएस को लॉन्च कर दिया है। कंपनी का दावा है कि यह स्कूटर 181 किलोमीटर की आईडीसी सर्टिफाइड रेंज देगा, जिससे यह लंबे सफर के लिए उपयुक्त बनता है। इस स्कूटर की शुरुआती कीमत रुपए 1,39,999 (एक्स-शोरूम) रखी गई है। सिंपल वनएस, कंपनी के बंद हो चुके मॉडल सिंपल डॉट वन का अपग्रेडेड वर्जन है। इसमें 3.7के डब्ल्यूएच बैटरी और 8.5के डब्ल्यू मोटर दी गई है, जिससे स्कूटर को जबरदस्त पावर और परफॉर्मेंस मिलती है। इसमें चार राइडिंग मोड - इको, राइड, डैश और सोनिक दिए गए हैं।

सोनिक मोड में यह स्कूटर मात्र 2.55 सेकंड में 0 से 40 किमी प्रति घंटे की स्पीड पकड़ सकता है और इसकी टॉप स्पीड 105 किमी प्रति घंटा है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को चार रंगों - ब्रेज़न ब्लैक, ग्रेस व्हाइट, एज़ोर ब्लू और नम्मा रेड में लॉन्च किया गया है। इसमें 35 लीटर का अंडर-सीट स्टोरेज मिलता है, जिससे यूजर्स के लिए स्टोरेज की चिंता नहीं रहती। स्कूटर की सीट की ऊंचाई 770 मिमी रखी गई है, जिससे यह सभी राइडर्स के लिए आरामदायक बनता है। सिंपल वनएस में 7-इंच का टचस्क्रीन डैशबोर्ड दिया गया है, जो कस्टमाइज़ेबल थीम, ऐप इंटीग्रेशन, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन और ओवर-द-एयर अपडेट जैसी सुविधाओं से लैस है।

डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए इसमें 5जी ई-सिम, वाई-फाई और ब्लूटूथ सपोर्ट मिलता है, जिससे यूजर्स को एक स्मार्ट और कनेक्टेड राइडिंग अनुभव मिलता है। सिंपल एनर्जी के इस नए स्कूटर के जरिए इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मार्केट में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। इसमें फाइंड माई व्हीकल, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और रीजेनरेटिव व रैपिड ब्रेकिंग सिस्टम जैसी अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी दी गई है। स्कूटर में पार्क असिस्ट फंक्शन भी है, जिससे इसे आगे और पीछे दोनों दिशाओं में आसानी से मूव किया जा सकता है।

टेस्ला की लोकप्रिय कार मॉडल वाय हो सकता है आकर्षक विकल्प

नई दिल्ली ।

आजकल टेस्ला की भारत में एंट्री सबसे चर्चित विषयों में से एक है। टेस्ला की सबसे लोकप्रिय कारों में से एक मॉडल वाय भारतीय ग्राहकों के लिए एक आकर्षक विकल्प हो सकता है। यह एक लंबी रेंज वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी है, जो एक बार चार्ज होने पर 531 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है। इसका परफॉर्मेंस वेरिएंट महज 3.5 सेकंड में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकता है। इसका विशाल केबिन, अडवांस ऑटो पायलट सिस्टम और टेस्ला के सुपरचार्जर नेटवर्क तक पहुंच इसे खास बनाते हैं। फोर्ड की मस्टैंग मच-ई भी भारतीय बाजार के लिए उपयुक्त हो सकती है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी में 70 केडब्ल्यूएच से 91 केडब्ल्यूएच तक के बैटरी विकल्प उपलब्ध हैं, जो 502 किलोमीटर तक की रेंज प्रदान कर सकते हैं। इसका जीटी परफॉर्मेंस एडिशन 480 एचपी की दमदार पावर के साथ आता है और महज 3.5 सेकंड में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकता है। टेस्ला का साइबरट्रक भी एक अनोखा और भविष्यवादी डिजाइन वाला वाहन है, जिसकी रेंज 547 किलोमीटर तक हो सकती है। इसका साइबरबीस्ट वेरिएंट 845 एचपी की पावर जनरेट करता है और सिर्फ 2.6 सेकंड में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पकड़ सकता है। इन इलेक्ट्रिक गाड़ियों की भारत में एंट्री ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए एक बड़ा बदलाव साबित हो सकती है। बता दें कि दुनिया तेजी से क्लीन मोबिलिटी की ओर बढ़ रही है और हर साल कई नई इलेक्ट्रिक गाड़ियां बाजार में उतर रही हैं। हालांकि, भारत का ऑटोमोबाइल बाजार अन्य देशों से काफी अलग है, क्योंकि यहां ग्राहक कीमत को प्राथमिकता देते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रोहित क्या रहेंगे टेस्ट कप्तान ? बीसीसीआई इस आधार पर लेगी फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी की जीत ने रोहित शर्मा की चमक बढ़ा दी है और अगर वह टेस्ट कप्तान बरकरार रहें और इंग्लैंड दौरे पर टीम के कप्तान के तौर पर जाएं तो यह हैरानी की बात नहीं होगी, हालांकि चयनकर्ताओं ने 20 जून से शुरू होने वाले दौरे के लिए अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। रोहित पर दुबई में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव था, दुबई में खिताब ने निश्चित रूप से कप्तान को राहत दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या राष्ट्रीय चयन समिति चुनौतीपूर्ण टेस्ट प्रारूप पर फैसला लेते समय वनडे प्रारूप में सफलता पर विचार करेगी। टीम को पिछले डब्ल्यूटीसी (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप) चक्र में छह शिकस्त मिली थी। भारत के लिए नया चक्र इंग्लैंड श्रृंखला से शुरू होगा जहां पहला टेस्ट लीड्स में खेला जाएगा।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया कि तकनीकी रूप से रोहित टेस्ट कप्तान हैं। उन्होंने सिडनी में आखिरी टेस्ट से खुद को स्वेच्छा से बाहर रखा, जहां उन्होंने समझाने की कोशिश की कि एक टीम खराब फॉर्म में चल रहे कई बल्लेबाजों के साथ खेलना जारी नहीं रख सकती। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया टेस्ट के बाद भारत ने कोई टेस्ट नहीं खेला है, इसलिए टेस्ट कप्तानी में कोई बदलाव नहीं हुआ है। साथ ही रोहित ने कभी नहीं कहा कि वह टेस्ट नहीं खेलना चाहते हैं।

हालांकि सूत्र ने कहा कि राष्ट्रीय चयन समिति ने अभी तक इंग्लैंड श्रृंखला पर फैसला नहीं किया है। उन्होंने कहा कि चयन समिति को आईपीएल के दौरान छुट्टी मिलती है। जाहिर है सभी मैचों का टेलीविजन पर प्रसारण होने के कारण उन्हें हमेशा यात्रा करने की जरूरत नहीं होती है। जब तक कि उनके पास कोई विशिष्ट रणनीति नहीं हो या वे किसी विशेष खिलाड़ी को करीब से देखना नहीं चाहें, वे यात्रा नहीं करते। सूत्र ने कहा कि इसलिए एक बार जब आईपीएल शुरू हो जाएगा तो इंग्लैंड श्रृंखला के लिए खाका किसी भी समय तैयार किया जाएगा। लेकिन कोच गौतम गंभीर के दृष्टिकोण का बहुत महत्व होगा।

मुंबई इंडियंस के शुरुवाती मैंच में नहीं खेल पाएंगे बुमराह... चोट बनी वजह

मुम्बई (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शुरुआती दौर के मैचों में नहीं खेलने वाले हैं, क्योंकि मुंबई इंडियंस का स्टार तेज गेंदबाज अभी भी पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर रहे है, इसकारण वे जनवरी से ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हैं। बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जनवरी में सिडनी में हुए पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन चोटिल हो गए थे और वे दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे।

एक सूत्र ने बताया कि उनकी चोट से उबरने की प्रगति अच्छी है, लेकिन जून में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज को देखकर, इस स्तर पर उन्हें पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए कुछ और समय देना बेहतर होगा। रिपोर्ट के अनुसार पता चला है कि बुमराह के अप्रैल की शुरुआत तक टीम से जुड़ने की उम्मीद है। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेली गई सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए 32 विकेट लिए थे लेकिन इसके बाद वह कोई मैच नहीं खेल सके। चोटिल होने के कारण वे आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भी भाग नहीं ले पाए थे, जिसमें भारतीय टीम चैंपियन बनी थी। तेज गेंदबाज को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में चुना गया था लेकिन फिटनेस हासिल नहीं कर पाने के कारण उन्हें अंतिम टीम में नहीं रखा गया।

मुंबई की टीम 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी और 29 मार्च को गुजरात टाइटंस का सामना करने के लिए अहमदाबाद जाएगी। इसके बाद वह कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 31 मार्च को अपने घरेलू मैदान पर मैच खेलेगी। वह चार अप्रैल को लखनऊ सुपर जॉइंट्स और सात अप्रैल को रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु का सामना करेगी।

आईएमएल: वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को 6 रन से हराया, अब सचिन-लारा में होगी टक्कर

कराची (एजेंसी)। रायपुर,(ईएमएस)। वेस्टइंडीज मास्टर्स ने दिनेश रामदीन के अर्धशतक और ब्रायन लारा की समान रूप से प्रभावीशाली पारी के अलावा टीनो बेस्ट के 4 विकेट पर श्रीलंका मास्टर्स पर छह रन से हराया। इसके साथ ही रविवार को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में सचिन तेंदुलकर के नेवृत्व वाली इंडिया मास्टर्स के साथ होने वाले इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) 2025 के खिताबी मुकाबले में खेलने का हक हासिल कर लिया। इंडिया मास्टर्स ने ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स को हराकर खिताबी मुकाबले में एंट्री मारी थी।

ब्रायन लारा ने श्रीलंका मास्टर्स के आक्रमण के खिलाफ 41 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम की वापसी करवाई। इसके बाद दिनेश रामदीन के नाबाद अर्धशतक से वेस्टइंडीज मास्टर्स को 179/5 के स्कोर तक पहुंचाया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज मास्टर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और ड्वेन स्मिथ सस्ते में पवेलियन लौट गए, लेकिन विलियम पर्किन्स (24) और लेंडल सिमंस (17) ने पारी को संभाला और पावरप्ले के तूफान को 43 रनों की साझेदारी के साथ झेला। जैसे ही वे संभलते दिखे, श्रीलंका मास्टर्स ने दो विकेट गिरा दिए। इससे कैरेबियाई टीम संघर्ष करती नजर आई। हालांकि इसके बाद वेस्टइंडीज के 55 साल के महान खिलाड़ी लारा क्रीज पर आए उनका फुटवर्क हमेशा की तरह चुस्त रहा। बाएं हाथ के बल्लेबाज लारा ने पारी को संभालने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। चैडविक वाल्टन के साथ लारा ने 60 रनों की साझेदारी की और अपनी टीम को 100 रनों पर पहुंचाया।

पंत की बहन की शादी अटैंड कर सीधा नेट पर पहुंचे धोनी, बरसाए लंबे-लंबे छक्के

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल डैस्क = आगामी आईपीएल सीजन के लिए महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर से मैदान पर एक्टिव हो गए हैं। धोनी को बीते दिन ही भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत की बहन साक्षी की शादी में पत्नी संग मस्ती करते देखा गया था। धोनी ने इस दौरान डांस तो किया ही साथ ही साथ मशहूर बॉलीवुड गीतों पर लिप सिंक भी किया। धोनी 13 तारीख को हुई शादी में शामिल होने के बाद अगले ही दिन चेन्नई सुपर किंग्स के कैंप में प्रैक्टिस करते हुए दिखे। धोनी की सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रही है जिसमें वह लंबे छक्के बरसाते दिख रहे हैं।

बता दें कि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और ऑलराउंड प्रदर्शन का शानदार संतुलन है। ऋतुराज गायकवाड़, डेवोन कॉनवे और राहुल त्रिपाठी जैसे बल्लेबाज टीम की बल्लेबाजी को मजबूती प्रदान करते हैं, जबकि रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, सैम कुरेन और शिवम दुबे जैसे ऑलराउंडर टीम को लचीलापन देते हैं। गेंदबाजी में मतीशा पतिराना, खलील अहमद, नूर अहमद और अंशुल कंबोज जैसे गेंदबाज आक्रमण को धारदार बनाते हैं। धोनी की उपस्थिति टीम को अनुभव और रणनीतिक कुशलता प्रदान करती है। ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में यह टीम छठी बार आईपीएल खिताब जीतने के लिए तैयार है।

आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स की पूरी टीम

ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे, महेंद्र सिंह धोनी विकेटकीपर-बल्लेबाज, मतीशा पथिराना, रविचंद्रन अश्विन, नूर अहमद, डेवोन कॉनवे, खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, अंशुल कंबोज, सैम कुरेन, गुरजपनीत सिंह, दीपक हुड्डा, जेमी ओवरटन, विजय शंकर, वंश बेदी, नाथन एलिस, शैक रशीद, मुकेश चौधरी, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, आंद्रे सिद्धार्थ।

टीम इंडिया के डब्लयूटीसी फाइनल में नहीं पहुंचने से टिकटों की कीमतें आधीं हुईं

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के इस बार आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) के फाइनल में नहीं पहुंचने से लॉर्ड्स स्टेडियम को भी करोड़ों रुपये का नुकसान हो सकता है। डब्लयूटीसी का फाइनल लॉर्ड्स स्टेडियम में ही खेला जाना है। भारतीय टीम अगर फाइनल में पहुंचती तो इसका रोमांच बढ़ता और टिकटों की कीमतें ऊपर चली जाती पर अब कीमत को आधा करना पड़ा है। ऐसे में जून में लॉर्ड्स में होने वाले पांच दिवसीय मैच की मेजबानी के दौरान करीब चार मिलियन पाउंड (लगभग 45 करोड़ रुपये) का नुकसान होने का अनुमान है। पिछले दो सत्र में उपविजेता रही भारतीय टीम इस बार पहले ही बाहर हो गयी थी। खिताबी मुकाबले में अब ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'भारत के क्वालीफाई करने में विफल रहने के कारण लॉर्ड्स को कम राजस्व प्राप्त होगा।' इसे खेल में भारतीय क्रिकेट का प्रभाव पता चलता है। एमसीसी ने फाइनल में भारत के पहुंचने के अनुमान के साथ मूल रूप से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए टिकट की अधिक कीमत निर्धारित की थीं। जब यह स्पष्ट हो गया कि भारत फाइनल में नहीं पहुंचेगा, तो एमसीसी ने अपनी रणनीति में संशोधन किया और टिकट की कीमत कम कर दीं। इस रिपोर्ट में कहा गया, 'विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए कीमतों में लचीलापन लाने का निर्णय इस वर्ष लिया गया था। अब टिकटें 40 से 90 पाउंड के बीच बेची जा रही हैं। यह मूल कीमत से लगभग 50 पाउंड सस्ती हैं। इससे राजस्व में कमी आई है।' गौरतलब है कि पिछले वर्ष श्रीलंका और इंग्लैंड की टेस्ट श्रृंखला के दौरान मैच के चौथे दिन सिर्फ नौ हजार दर्शकों के आने के कारण एमसीसी को नुकसान के साथ ही आलोचना का सामना करना पड़ा था।

नये कप्तान रहाणे के साथ केकेआर बरकरार रख सकेगी ट्रॉफी ?

मुम्बई। आईपीएल 2025 में इस बार अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में मौजूदा चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) अपना खिताब बचाने के लिए पूरी ताकत लगा देगी। इसके लिए केकेआर ने तैयारी भी शुरु कर दी है। टीम ने पिछले सत्र में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खिताब जीता था पर इस बार वह टीम में नहीं है। श्रेयस के अलावा तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और ओपनर फिल साल्ट भी उसके पास नहीं है। हालांकि इसके बाद भी केकेआर काफी मजबूत नजर आ रही है। उसके नये कप्तान रहाणे काफी अनभावी हैं।

वह साल 2022 में भी वह केकेआर के साथ ही थे पर उस वक्त वह रन नहीं बना पाये थे। पिछले कुछ समय में रहाणे ने टी20 को लेकर अपना रुख बदला है। मुश्ताक अली ट्रॉफी में रहाणे ने आठ पारियों में 469 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 164.56 का था। उनके इस प्रदर्शन के कारण ही मुंबई ने खिताबी जीत हासिल की थी। ऐसे में टीम प्रबंधन को उम्मीद होगी कि रहाणे की कप्तानी का अनुभव केकेआर के काम आएगा। केकेआर की ताकत टीम में अनुभवी खिलाड़ियों का होना है। उसके पास क्विंटन डिकॉक, रहमानुल्ला गुरबाज, रहाणे, वेंकटेश अय्यार, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह उनके शीर्ष छह खिलाड़ी हैं। इसके अलावा सुनील नरेन जैसे शानदार स्पिनर है। नरेन ने पिछले सत्र में 17 विकेट लिए थे जो हर्षित राणा और आंद्रे रसेल के बाद टीम के लिए तीसरा बेस्ट प्रदर्शन था। वरुण चक्रवर्ती के साथ सुनील नरेन विरोधी टीम पर कहर बरपा सकते हैं। टीम की कमजारे अनुभवी तेज गेंदबाजों की कमी है। हालांकि उनके पास स्पेंसर जॉनसन और हर्षित राणा जैसे युवा नाम हैं। लेकिन यह दोनों मिलकर भी मिचेल स्टार्क की कमी पूरी नहीं कर सकते। इस बार केकेआर ने दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्किया को भी अपने साथ जोड़ा है पर नॉर्किया ने पिछले दो आईपीएल सीजन में जैसा प्रदर्शन किया है, उससे बहुत उम्मीद नहीं है। वैसे उसके पास आंद्रे रसेल भी हैं जो बतौर गेंदबाज काफी प्रभावी रहते हैं। ऐसे में कुल मिलकर टीम संतुलित है।

सविता और हरमनप्रीत वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, 1975 विश्व कप विजेता हॉकी टीम भी सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को हॉकी इंडिया 7वें सालाना पुरस्कार में वर्ष 2024 के सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी और दिग्गज गोलकीपर सविता को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार मिला। 50 वर्ष पहले 15 मार्च को ही कुआलालम्पुर में भारत को एकमात्र विश्व कप जिताने वाली अजितपाल सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम को ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया गया।

पिछले साल पेरिस ओलंपिक में दस गोल करके भारत को लगातार दूसरा ओलंपिक कांस्य पदक दिलाने में अहम

भूमिका निभाने वाले ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि पुरस्कार काफी मायने रखते हैं और युवाओं को इससे प्रेरणा मिलती है। मैं उन्हें इतना ही कहूंगा कि नतीजे का दबाव लिये बिना कड़ी मेहनत करते रहें। वहीं, तीसरी बार पुरस्कार जीतने वाली पूर्व कप्तान सविता ने वीडियो संदेश में कहा कि इस पुरस्कार से मुझे आगे और मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी। यह मेरे साथी खिलाड़ियों को समर्पित है।

वहीं, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का बलजीत सिंह पुरस्कार भी सविता को मिला। सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर का परगट सिंह पुरस्कार अमित रोहिदास ने जीता जबकि सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर का अजितपाल सिंह पुरस्कार हार्दिक सिंह को मिला। सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड का धनराज पिल्लै पुरस्कार अभिषेक को दिया गया। वर्ष 2024 की सर्वश्रेष्ठ अंडर 21 महिला खिलाड़ी का असुंथा लाकड़ा पुरस्कार ड्रैग फ्लिकर दीपिका को मिला जबकि पुरूष वर्ग में जुगराज सिंह पुरस्कार अराइजीत सिंह हुंडल ने जीता।

रोहित सहित तीन खिलाड़ी नये बीसीसीसाई अनुबंध में हो सकते हैं ए प्लस ग्रेड से बाहर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) जल्द ही खिलाड़ियों के लिए नया केन्द्रीय अनुबंध ला सकता है। इसमें कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली व रविन्द्र जडेजा को नुकसान हो सकता है। वहीं दूसरी ओर युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को लाभ हो सकता है। रोहित , विराट और जडेजा अभी ए प्लस ग्रेड में शामिल हैं पर अब ये उससे कम ए ग्रेड में रखे जा सकते हैं। वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप 2024 के बाद रोहित, कोहली और जडेजा ने टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया था। बोर्ड के नियमों के मुताबिक ए प्लस ग्रेड में उन खिलाड़ियों को ही रखा जाता है, जो कि तीनों प्रारुपों में खेलते हैं पर अब ये तीनों ही दो प्रारुप ही खेल रहे हैं। इसलिए इनके ग्रेड में बदलाव किया जा सकता है। इसका उन्हें नुकसान होगा क्योंकि बोर्ड ग्रेड के हिसाब से ही वेतन देती है। ऐसे में रोहित, कोहली और जडेजा को बड़ नुकसान हो सकता है। इन तीनों खिलाड़ियों को कम से कम 2 करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है। बीसीसीआई ए प्लस ग्रेड के खिलाड़ियों को सालाना 7 करोड़ रुपए देती है जबकि ग्रेड ए के खिलाड़ियों को 5 करोड़ रुपए ही वेतन मिलता है। वर्तमान में बीसीसीआई अनुबंध में ए प्लस ग्रेड में रोहित, विराट और जडेजा के साथ जसप्रीत बुमराह शामिल हैं। वहीं अगर ग्रेड ए की बात करें तो इसमें फिलहाल छह खिलाड़ी शामिल मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या और रविचंद्रन अश्विन है। ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जयसवाल, अक्षर पटेल और सूर्यकुमार यादव ग्रेड बी का हिस्सा हैं। इसमें से अश्विन का नाम अब हट जाएगा क्योंकि उन्होंने संन्यास ले लिया है। नये अनुबंध में शुभमन गिल के साथ ही ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल को ए प्लस में जगह मिल सकती है।

6 टी20 खेलने वाला बना पाकिस्तान का नया कप्तान, न्यूजीलैंड खिलाफ होगी सीरीज

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, पाकिस्तान अब 5 टी20 और 3 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगा। अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप और इस साल के अंत में होने वाले एशिया कप को देखते हुए, पाकिस्तान ने नवनियुक्त कप्तान सलमान अली आगा की अगुआई में युवा टी20 टीम चुनी है। पाकिस्तान चोट के कारण सैम अयूब और फखर जमान के बिना खेलेगा। टीम में तीन अनकैप्ड खिलाड़ी अब्दुल समद, हसन नवाज और मोहम्मद अली को शामिल किया गया है, जिन्होंने हाल ही में घरेलू टूर्नामेंटों में प्रभावशाली प्रदर्शन के बूते राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है।

सीरीज से पहले टीम के बारे में बात करते हुए आगा ने कहा कि हमारी टीम में कुछ युवा खिलाड़ी हैं और यह उनके लिए घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कप्तान के रूप में अपनी पहली सीरीज में जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तान को 2-1 से सीरीज में जीत दिलाने वाले आगा ने न्यूजीलैंड दौरे से पहले आत्मविश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि टीम की तैयारी अच्छी चल रही है और हम न्यूजीलैंड में बेहतर परिणाम देने की कोशिश करेंगे।

हैडटूहैड

दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 44 टी20 मैचों में, पाकिस्तान के पक्ष में 23 मैच गए हैं जबकि न्यूजीलैंड ने 19 मुकाबले जीते हैं। आखिरी बार दोनों टीमें टी20 सीरीज में 2024 में एक-दूसरे से भिड़ी थी, यह सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई थी।

टी20 टीम : सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान, अब्दुल समद,

अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन नवाज, जहांदाद खान, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद अली, मोहम्मद हारिस, मुहम्मद इरफान खान, ओमैर बिन यूसुफ, शाहीन शाह अफरीदी, सुफियान मोकिम और उस्मान खान।

वनडे टीम: मोहम्मद रिजवान (कप्तान), सलमान अली आगा, अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, आकिफ जावेद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, इमाम-उल-हक, खुशदिल शाह, मोहम्मद अली, मोहम्मद वसीम जूनियर, इरफान नियाजी, नसीम शाह, सुफियान मुकीम, तय्यब ताहिर।

इस बार आईपीएल में बल्लेबाज के तौर पर ही खेल पायेंगे मिचेल

लखनऊ (ईएमएस)। लखनऊ सुपर जाइंट्स की टीम 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल 2025 में उतरने के लिए तैयार है। सुपर जाइंट्स की टीम में इस बार ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श भी शामिल है। माना जा रहा है कि मिचेल को टीम बल्लेबाज के तौर पर ही उतारेगी। मिचेल अब अपनी चोट से उबर गये हैं और विशेषज्ञ की सलाह के बाद पिछले कुछ सप्ताह से उन्होंने बल्लेबाजी का अभ्यास शुरू किया है पर उन्हें आईपीएल मे केवल बल्लेबाज के रूप में खेलने की अनुमति मिली है। वह गेंदबाजी नहीं कर सकेंगे। मार्श को सुपर जाइंट्स ने उन्हें पिछले साल हुई मेगा नीलामी में 3.40 करोड़ रुपए में खरीदा था। वह 18 मार्च को सुपर जाइंट्स की टीम के साथ जुड़ सकते हैं। गौरतलब है कि पिछले साल सितंबर में इंग्लैंड दौरे से ही मार्श डिस्क संबंधी परेशानी से जूझ रहे हैं। इसी कारण वह श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर थे। उन्होंने विशेषज्ञ की सलाह पर समस्या से उबरने के लिए आराम भी किया था। अब हालांकि वह डिस्क वाली परेशानी से उबर गये हैं पर अपने भविष्य को देखते हुए किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहेंगे।

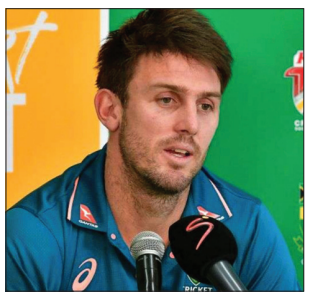

पिचकारी पकड़ युवराज के कमरे में घुसे सचिन तेंदुलकर, मनाई खूब होली

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल डैस्क =इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में व्यस्त भारतीय धाकड़ बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने आखिरकार होली मनाने के लिए समय निकाल लिया। ऑस्ट्रेलियाई मास्टर्स के खिलाफ सेमीफाइनल में जीत हासिल करने के बाद इंडिया मास्टर्स को फाइनल में पहुंचा चुके कप्तान सचिन ने होली पर टीम मेट युवराज सिंह के साथ जमकर मस्ती की। अपने टीम साथियों के साथ पिचकारी लेकर तैयार खड़े सचिन ने सबसे पहले युवराज के कमरे की तरफ कूच किया। दरवाजे के बाहर खड़े होकर उन्होंने इस नॉक किया। युवराज जब बाहर आए तो सभी प्लेयरों ने युवराज पर रंग उड़ाया और पिचकारी से खूब पानी फेंका।

घटनाक्रम की सोशल मीडिया पर सचिन तेंदुलकर ने वीडियो शेयर की है। उन्होंने साथ ही लिखा- मेरी @imltw®official टीम के साथियों के साथ होली की मस्ती, नीली जर्सी से लेकर रंगीन पलों तक, इस तरह हम कहते हैं- होली मुबारक ! सचिन की उक्त पोस्ट पर पल भर में ही लाखों लाइक्स आ गए। इरफान पठान और मुंबई इंडियंस ने जहां इस पर हंसी वाली इमोजी पोस्ट की तो वहीं, शिकार हुए युवराज सिंह ने लिखा- वेक अप कॉल के लिए शुक्रिया पाजी।

ऐसा रहा मुकाबला

इंडिया मास्टर्स इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के फाइनल में पहुंच गई है। बीते दिनों उनका मुकाबला ऑस्ट्रेलियाई लीजेंड्स के साथ हुआ था। इस दौरान ओपनिंग करते हुए सचिन तेंदुलकर ने 7 चौकों के साथ 42 रन बनाकर अपनी टीम को अच्छी शुरूआत दी। इंडिया लीजेंड्स को तूफानी पारी खेलकर युवराज सिंह आगे ले गए। उन्होंने 30 गेंदों पर 7 छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। वहीं, स्टुअर्ट बिन्नी ने 21 गेंदों पर 36, युसूफ पठान ने 23 तो इरफान ने 19 रन बनाकर स्कोर 220 तक पहुंचाया। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई मास्टर्स 126 रन पर ढेर हो गई। सीजन में 3 सेंचुरी लगाने वाले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान शेन वॉटसन महज पांच रन बनाकर आऊट हो गए। इसके बाद कोई ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर बड़ी पारी नहीं खेल सका। भारत की ओर से शाहबाज अहमद ने 15 रन देकर 4 विकेट लीं। विनय कुमार और इरफान पठान ने भी 2-2 विकेट लीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कहानी

बंदर क्या जाने

अदरक का स्वाद

अनंत भाई क्या आज कुछ सनाएँगे? बहुत दिनों से कुछ सुनाया नहीं। वैसे इस महीने आपकी जो कविता झरोखा पत्रिका में छपी है, वह बहुत अच्छी है। आप चाहें तो वही सुना दीजिए। अनंत नारायण बच्चों के कवि हैं अर्थात बाल साहित्यकार हैं। बच्चों के लिए लिखी गईं उनकी कविताएं मुझे बहुत पंसद हैं। वे अपनी कविताएं तो सुनाते ही हैं, दूसरों की बाल कविताएं भी सुनाते हैं। उनकी स्मरणशक्ति बहुत अच्छी है। मेरे साथ राजमणि भैया भी थे। ये मेरे बड़े भाई हैं। मेरे और राजमणि के कहने पर अनंत नारायण ने यह कविता सुनाई–

चुहिया लाई चावल चीनी बिल्ली लाई आटा
हरी सब्जियाँ ताता लाया धोकर उनको काटा
मुर्गी पूरा मटका भरकर दूध कहीं से लाई
आग जलाकर मीठी मीठी उसने खीर पकाई
पूड़ी बनी, बनी तरकारी सबने मिल जुलकर खाया
कामचोर कौवे का मन भी देख देख ललचाया

वाह वाह खूब कविता सुनाई। पर यह कविता मेरी नहीं है। अनंतनारायण बोला। यह एक अन्य बाल साहित्यकार की कविता है। मैं राजमणि भैया अनंत नारायण बड़ी देर तक बातें करते रहे। छुट्टी का दिन था। गंभीर बातें भी हुईं और हंसी मजाक वाली बातें भी। थोड़ी ही देर बाद अनंतनारायण की बेटी लतिका चाय लाई और अपने हाथ से बनाकर स्वादिष्ट पोहा। सबने चाय पी और पोहा खाया। अनंत नारायण ने कहा ललिता अपने चाचा लोगों को कोई गीत नहीं सुनाओगी? संगीत तो तुम्हारा सबसे प्यारा विषय है। लतिका सुनकर खुश हो गई। यह उसकी रूचि की बात थी। उसने कबीर का पद सुनाया

साधो यह तन ठाट तंबूरे का ऐंचत तार मरेरत खूंटी निकलराग हूजूरे का....

पद बड़ा था। पद सुनाते समय न केवल लतिका की आंखें बंद थीं, बल्कि हम लोग भी इतने मगन होकर सुन रहे थे कि हम लोगों की भी आंखें बंद ही थीं। हम लोगों की आंखें तब खुलीं जब गीत पूरा हुआ। लगा जैसे हम लोग संगीत की धारा में बह रहे थे। बातें समाप्त कर जब कर जब चलने लगे तो अनंतनारायण बोले भाई कल विश्वविद्यालय की ओर से नहीं जाना। क्यों? मुझे विश्वविद्यालय में काम है। क्या काम है? काम कुछ नहीं वहां जो बैंक है, उससे पैसे निकालने हैं, पैसे ज्यादा हैं, पूरे पचास हजार। जरूरत ही ऐसी आ गई है। समय खराब है। इतनी रकम बैंक से निकालकर अकेले घर लाने में डर लगता है। मँडुआडीह से आगे कुछ दूर तक एकांत हो जाता है। तुम साथ रहोगे तो अच्छा रहेगा। बात सही है। मैं तुम्हारे साथ चलूंगा और तुम्हारे साथ ही वापस आऊँगा। दूसरे दिन मैं और आनंत नारायण बैंक गये। भीड़ ज्यादा थी। अनंतनारायण ने रूपये लेकर बैग में रखे। भीड़ पूरी घट गई थी। क्लर्क कागज की पुड़िया मुंह में रखकर वह बगल के साथी से बातें करने लगा। अनंतनारायण ने अपनी पासबुक मांगी। उसने ऐसे पासबुक उछालकर दी जैसे फुटबाल हो। अनंतनारायण को बुरा लगा। पासबुक पटल पर रखे या हाथ में दें। उछालकर देना तो अनुचित है। उन्होंने विश्वविद्यालय में तीस वर्ष पढ़ाया है। प्रोफेसर के सम्मानित पद से रिटायर हुए हैं। उनके साथ एक क्लर्क ऐसा व्यवहार करें, यह दुखद है। पर उन्होंने कुछ कहा नहीं। लेकिन जब पासबुक देखी तो उसमें रूपये चढ़ाये नहीं गये थे। उन्होंने कहा साहब पासबुक में रूपये चढ़ा दीजिए। आपको रूपये मिल गये न? अब आप जाइए। पासबुक में रकम चढ़वानी है तो पासबुक छोड़ जाइए। कल आकर ले जाइएगा। रकम चढ़ जाएगी। एक बार यहां आने में सौ रूपये लगते हैं। कल फिर इतने ही रूपये लगेंगे। सिर्फ पासबुक के लिए ही कल मुझे आना पड़ेगा। मैंने जो कह दिया सो कह दिया। बहस मत करिये। मैं बोला ये इस विश्वविद्यालय के सम्मानित प्रोफेसर रहे हैं। ये बहुत विद्वान हैं। आप इन्हें नहीं जानते। होंगे प्रोफेसर। मैं इन्हें नहीं जानता। यहां तो सब अपने को प्रोफेसर ही कहते हैं।

यह बात मुझे बुरी लगी और अनंतनारायण को भी। हम दोनों मैनेजर के पास गये। मैंने अनंतनारायण का परिचय दिया और क्लर्क की शिकायत की। मैनेजर ने कहा, क्लर्क की शिकायतें औरों ने भी की हैं। पता नहीं यह कब सभ्य बनेगा। यह कहकर वे हम लोगों के साथ क्लर्क के पास आये, आप इस समय क्या कर रहे हैं? आराम फरमा रहे हैं। नहीं नहीं पान खाकर... थकान दूर कर रहे हैं। बैंक थकान दूर करने के लिए हैं या काम करने के लिए। इस समय आप कोई काम नहीं कर रहे हैं। फिर अनंतनारायण की ओर देखकर कहा आप पासबुक बिना रकम चढ़ाये वापस कर रहे हैं। सिर्फ पासबुक के लिए कल ये सौ रूपये फिर खर्च करेंगे। आप जानते हैं ये कौन हैं। ये विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित प्रोफेसर हैं और बहुत बड़े साहित्यकार हैं। आपके सामने इनका परिचय भी दिया गया। फिर भी कुछ समझ में नहीं आया। वे आगे बोले, अदरक बड़ी उपयोगी चीज होती हैं। भोजन में भी पड़ती है और दवा के काम भी आती है। पर बंदर को दे दी जाए तो वह दांत से कुतरकर फेंक देगा। वह अदरक का गुर जानेगा ही नहीं। इसी पर कहावत है बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद। यही हाल आपका है। आपके सामने एक महान व्यक्ति खड़े हैं। पर आपमें इतनी समझ नहीं है कि आप उन्हें सम्मान दें। मैं अभी पासबुक ठीक कर देता हूँ, कहकर एक मिनट में क्लर्क ने रकम चढ़ाकर पासबुक वापस कर दी। हम दोनों को मैनेजर साहब का व्यवहार तो अच्छा लगा ही, उनका हिंदी ज्ञान देखकर भी प्रसन्नता हुई। कहावत का उन्होंने बहुत सही प्रयोग किया था। पासबुक लेकर हम लोग साथ साथ वापस चले आये।

> हम लोग भी इतने मगन होकर सुन रहे थे कि हम लोगों की भी आंखें बंद ही थीं। हम लोगों की आंखें तब खुलीं जब गीत पूरा हुआ। लगा जैसे हम लोग संगीत की धारा में बह रहे थे। बातें समाप्त कर जब कर जब चलने लगे तो अनंतनारायण बोले भाई कल विश्वविद्यालय की ओर से नहीं जाना। क्यों? मुझे विश्वविद्यालय में काम है। क्या काम है? काम कुछ नहीं वहां जो बैंक है, उससे पैसे निकालने हैं, पैसे ज्यादा है, पूरे पचास हजार। जरूरत ही ऐसी आ गई है। समय खराब है। इतनी रकम बैंक से निकालकर अकेले घर लाने में डर लगता है।

हंसगुल्ले

टीचर ने बच्चों की कॉपी पर नोट लिखवाकर भेजा - कृपया बच्चों को नहला कर भेजा करें।
बच्चों की माँ ने नोट जवाब में लिखा - कृपया बच्चों को पढ़ाया करें, सूंघा न करें।

• • • • •

नया कर्मचारी, `तुम इस दफ्तर में कब से काम कर रहे हो?'
पुराना कर्मचारी, `जब से बॉस ने मुझे निकालने की धमकी दी है।'

• • • • •

दादी नाराज होकर पोते से बोली ज्यादा परेशान करोगे तो मैं भगवान के घर चली जाऊंगी।
पोता: दादी रिक्शा लेकर आऊं क्या ?

• • • • •

एक चूहे ने हाथी से कहा, `यार अपनी शर्ट दो दिनों के लिए देना।'
हाथी हंसकर बोला, `हा.हा.हा. पहनेगा क्या ?'
चूहा, `नहीं, घर में शादी है, तंबू लगवाना है।'

• • • • •

बैरा, इधर आओ! ग्राहक चिल्लाया। बैरा सहमता हुआ ग्राहक के पास आ खड़ा हुआ।
`देखो चाए के प्याले मे मक्खी पड़ी हुई है!' बैरे ने तर्जनी उंगली से मक्खी प्याले से निकाली और बहुत गौर से देखने लगा। फिर बडी गंभीरता से उत्तर दिया--
हमारे होटल की नही है।

• • • • •

मज़दूर (मालिक से) : गधे की तरह काम कराया और मज़दूरी सिर्फ बीस रुपया ... कुछ तो न्याय कीजिए।
मालिक (मुनीम से) : ठीक है यह न्याय मांगता है तो इस के सामने घास डाल दो और रुपये ले लो।

• • • • •

एक व्यक्ति की अपने तोते से तबियत भर गई। उस ने उसे नीलाम किया। बोली 100 रुपये पर छूटी।
खरीददार मुस्कुराकर कहने लगा, खैर, ले लेता हूं लेकिन इतना बतादें कि यह बोलेगा भी? दुकानदार : अजी, यही तो आपके खिलाफ बोली बढ़ा रहा था!

• • • • •

नया सिपाही (इंस्पैक्टर से) : `सर ये बिलकुल गलत है कि मैं उस चोर से डर गया था।'
इंस्पैक्टर : `तो तुम उस गाड़ी के पीछे क्यों छिपे थे?'
नया सिपाही : `जी वह तो मैं कुत्ता देख कर छिपा था।'

जानिए

30 साल में बनती है एक डाली

सुगुआरो कैक्टस (कार्नेजिया जाइगैंटिया) दुनिया का सबसे धीमी गति से बढ़नेवाला पौधा है। उसकी एक डाली पूरे 30 साल में तैयार होती है। सगुआरो उत्तरी अमरीका (अरिजोना) में पाया जाता है। उसकी बढ़त धीमी होते हुए भी वह 18 मीटर की ऊंचाई प्राप्त कर सकता है। इतना बड़ा होते हुए भी, इसकी अधिकांश जड़ें जमीन में कुछ ही सेंटीमीटर की गहराई में फैली होती हैं। केवल एक मुख्य जड़ जमीन में लगभग दो फुट की गहराई तक उतरता है। इस कारण सगुआरो तूफानों में आसानी से उखड़ जाता है। स्थानीय निवासी सूखे सगुआरो तने से घरों की छतें, फर्नीचर, बाड़ आदि बनाते हैं। वह एक दीर्घजीवी पौधा है, जो 200 साल तक जीवित रह सकता है। इसके फूल रात को खिलते हैं। यह रेगिस्तानी पौधा अनेक पशु-पक्षियों को सहारा देता है। इनमें शामिल है गिला कठफोड़वा, बैंगनी मार्टिन, घरेलू फिंच, गिल्डेड फ्लिकर (एक प्रकार की चिड़िया), एल्फ आउल (बौना उल्लू), इत्यादि। ये इस पौधे के लंबे तने में छेद करके उनमें रहते हैं।

रंग भरो

कविता

अगर पेड़ भी चलते होते

अगर पेड भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते
बांध तने में उसके रस्सी
चाहे जहाँ कहीं ले जाते।

जहाँ कहीं भी धूप सताती
उसके नीचे झट सुस्ताते
जहाँ कहीं वर्षा हो जाती
उसके नीचे हम छिप जाते।

लगती भूख यदि अचानक
तोड मधुर फल उसके खाते
आती कीचड-बाढ कहीं तो
झट उसके ऊपर चढ जाते।

अगर पेड भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते।

एक कहानी में सारे

आसमान कितना ऊँचा है !
कितने ऊँचे हैं तारे !
पर आ जाते जाने कैसे !
एक कहानी में सारे!

%दोस्त अगर बन जाएं मेरे
आसमान के, माँ तारे ?
तो मैं तेरे जन्म दिवस पर
दूँगी सब को गुब्बारे

मजा आएगा तब तो कितना
जाएंगे जब घर तारे
आसमान में तारों के संग
होंगे कितने गुब्बारे !

मगर कँहा से लाओगी माँ
इतने सारे गुब्बारे ?
बतला दूंगी, बतला दूंगी
जब आएंगे घर तारे !

बिंदु मिलाओ

रास्ता खोजो

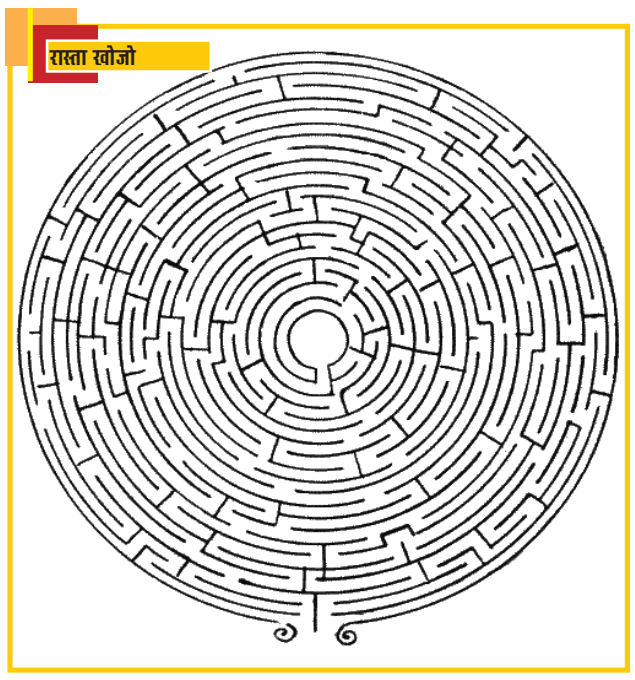

पहेलियां

लाल डिबिया में हैं पीले खाने,
खानों में मोती के दाने ?
❐ ❐ ❐ ❐
वह रहती नहीं बीमार, फिर भी खाती गोली,
बच्चे, बूढ़े डर जाते, सुनकर उसकी बोली।
❐ ❐ ❐ ❐
धनदौलत से बड़ी है यह,
सब चीजों से ऊपर है यह,
जो पाए पंडित बन जाए
बिन पाए मूर्ख रह जाए ?
❐ ❐ ❐ ❐

जो करता है वायु शुद्ध,
फल देकर जो पेट भरे,
मानव बना है उसका दुश्मन,
फिर भी वह उपकार करे ?
❐ ❐ ❐ ❐
गोल है पर गेंद नहीं,
पूँछ है पर पशु नहीं,
पूंछ पकड़कर खेलें बच्चे,
फिर भी मेरे आंसू न निकलते ?
❐ ❐ ❐ ❐

उत्तर - अनार, बंदूक, विद्या, पेड़, गुब्बारा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पश्चिम बंगाल के बीरभूम में पथराव के बाद इंटरनेट सेवाएं बंद, भारी सुरक्षा बल तैनात

बीरभूम (एजेंसी)। जिले के सैंथिया कस्बे में कम से कम पांच ग्राम पंचायत क्षेत्रों में इंटरनेट और वॉयस-ओवर-इंटरनेट टेलीफोनी सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है। यह प्रतिबंध सैंथिया नगर क्षेत्र, हातोरा ग्राम पंचायत, माथपालसा ग्राम पंचायत, हरिसरा ग्राम पंचायत, दरियापुर ग्राम पंचायत और फुलूर ग्राम पंचायत में लगाया गया है। सरकारी आदेश में कहा गया है कि हाल ही में हुई घटनाओं के मद्देनजर इन इलाकों में इंटरनेट और वॉइस-ओवर-इंटरनेट टेलीफोनी का उपयोग अफवाहें फैलाने और अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है। इसी वजह से यह सेवाएं अस्थायी रूप से बंद की जा रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम अफवाहों और गैरकानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए उठाया गया है। यह निलंबन 14 मार्च से शुरू होकर 17 मार्च तक प्रभावी रहेगा।अधिकारियों के अनुसार, इस अवधि के दौरान क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से सहयोग करने और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। इस निलंबन से क्षेत्र में संचार सेवाओं पर असर पड़ सकता है, लेकिन यह कदम सुरक्षा के मद्देनजर आवश्यक बताया जा रहा है।बीरभूम जिले में पथराव की घटना के बाद पुलिस बल को प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया गया है।आदेश में स्पष्ट किया गया है कि दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत किसी भी प्रकार के डेटा-संबंधी संदेशों को अस्थायी रूप से रोक दिया जाएगा, ताकि सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखी जा सके और किसी भी अपराध को भड़काने की कोशिशों को रोका जा सके।

वडोदरा में सनकी ड्राइवर का आतंक, स्कूटी सवार महिला को कुचला

वडोदरा (एजेंसी)। करेलीबाग इलाके में मुक्तानंद चौराहे के पास रात करीब 12.30 बजे हुई इस घटना के बाद आरोपी रक्षित चौरसिया की वहां मौजूद लोगों ने पिटाई की और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। अब सीसीटीवी वीडियो सामने आए हैं, जिसमें यह भयानक दुर्घटना कैद हुई है। वायरल वीडियो में, जिसकी पुष्टि नहीं हुई है। तेज रफ्तार कार दो स्कूटरों को टक्कर मारती हुई, उसमें सवार लोगों को नीचे गिरा देती है। फिर उन्हें घसीटते हुए ले जाते रुकती हुई दिखाई देती है। एक अन्य वीडियो में, चौरसिया का दोस्त मीत चौहान, जो कार का मालिक है और दुर्घटना के समय को-ड्राइवर की सीट पर बैठा था, कार से बाहर निकलकर और अपने दोस्त को घटना का दोषी ठहराते हुए दिखाई देता है। वीडियो में चौरसिया चिल्लाते हुए सुनाई दे रहा है एक और राउंड? दुर्घटना के बाद उसे निकिता कहकर चिल्लाते हुए भी सुना जा सकता है। वीडियो में चौरसिया को राहगीरों द्वारा पीटे जाते हुए दिखाया गया है, जिन्होंने बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया। डिप्टी पुलिस कमिश्नर (डीसीपी) पन्ना मोमाया ने पीटीआई को बताया कि चौरसिया के दोस्त चौहान को पकड़ने की कोशिश जारी हैं।

बिहार में जमकर हो रहे पुलिस पर हमले, 2 दिन में 2 घटनाएं हुई, एएसआई की मौत

मुंगेर (एजेंसी)। बिहार में पुलिस सुरक्षित नहीं हैं। जनता की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों पर ही हमले हो रहे हैं। ऐसी घटनाएं दो दिन में दो हो चुकी हैं। जबकि एक एएसआई की मौत हो गई है। बिहार के मुंगेर में भीड़ तंत्र का शिकार घायल एएसआई संतोष सिंह की पटना में इलाज के दौरान मौत हो गई है। उन पर गुरुवार को जानलेवा हमला किया गया था जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बता दें कि 14 मार्च की रात आपसी विवाद सुलझाने गए मुफस्सिल थाने के जमादार संतोष कुमार सिंह पर बदमाशों ने धारदार हथियार से सिर पर हमला कर दिया था। जमादार को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया था, लेकिन शनिवार की सुबह पारस हास्पिटल में जमादार की मौत हो गई। वह कैमूर जिला के मोहनिया थाना अंतर्गत पिपरिया गांव के रहने वाले थे। मुंगेर के एसपी सैयद इमरान मसूद ने जानकारी दी है कि इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अररिया जिला के फुलकाहा थाना में तैनात जमादार राजीव रंजन मल की हत्या के बाद मुंगेर के मुफस्सिल थाना में तैनात जमादार बदमाशों के शिकार बन गए। इससे पहले 13 मार्च को बिहार के अररिया जिले में पुलिस अधिकारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। जानकारी के अनुसार, पुलिस अधिकारी बुधवार रात एक वांटेड अपराधी को गिरफ्तार करने पहुंचे थे। इसी दौरान कथित तौर पर कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और उनकी जमकर पिटाई की। इस घटना में उनकी मौत हो गई। हालांकि, अररिया पुलिस ने हत्या की बात से इनकार किया था और पुलिस एक्शन के दौरान उनके बेहोश होकर गिरने के बाद मौत की बात कही थी। बता दें कि राजीव रंजन मूल रूप से बिहार के मुंगेर जिले के रहने वाले थे।

जमीनी विवाद के चलते महिला ने मासूम के मुंह में डाल दिया ब्लेड का टुकड़ा

धनवार (गिरिडीह) (एजेंसी)। । संपत्ति विवाद के कारण एक महिला पर अपने देवर के मासूम बेटे के मुंह में ब्लेड डालने का आरोप लगा है। राहुल कुमार सोनी ने अपनी भाभी रेशमी देवी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आपसी रंजिश के कारण उन्होंने साजिश के तहत उनके बेटे शिवांश के मुंह में ब्लेड का टुकड़ा डाल दिया। ब्लेड निगलने के बाद बच्चे की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी और उसे लगातार उल्टियां होने लगीं। घबराए परिवार वालों ने तुरंत बच्चे को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत में सुधार नहीं होने के कारण उसे पहले तिलैया और फिर रांची रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के प्रयास के बाद अब बच्चा स्वस्थ है और उसे घर भेज दिया गया है। पीड़ित परिवार ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि घटना से पहले संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। इसी दौरान रेशमी देवी ने कथित रूप से बच्चे को जान से मारने की धमकी दी थी। फिलहाल, आरोपित रेशमी देवी और उसके पति भीखो सोनार फरार हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपितों की तलाश कर रही है।

जैसा बीज बोया जाता है, वैसा ही पौधा उगता है, तेज प्रताप के होली वाले ठुमके पर भड़के बिहार के डिप्टी सीएम

कोलकात (एजेंसी)। पटना में अपने आवास पर होली समारोह में नाचने के राजद नेता तेज प्रताप यादव के निर्देश का पालन करने वाले पुलिसकर्मी के वीडियो पर, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जैसा बीज बोया जाता है, वैसा ही पौधा उगता है। राजद की संस्कृति वही है जो जंगलराज के दौरान थी। इसमें कुछ भी नया नहीं है। राजद की संस्कृति कानून की धज्जियां उड़ाना, संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का मजाक उड़ाना है। पटना में अपने आवास पर होली समारोह में नाचने के राजद नेता तेज प्रताप यादव के निर्देश का पालन करने वाले पुलिसकर्मी के वीडियो पर, भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि जैसे पिता वैसे पुत्र। पिता मुख्यमंत्री थे, परिवार की सत्ता थी, बिहार को जंगलराज बनाए रखा था। उन्होंने कानून को अपने इशारों पर नचाया। अब वह सत्ता से बाहर हैं लेकिन उनका डीएनए वही है, वह जंगलराज वापस लाना चाहते हैं। कानून और वर्दी पहनने वाले व्यक्ति का सम्मान करने के बजाय, तेज प्रताप यादव ने वर्दी पहनने वाले व्यक्ति का जो अपमान किया है, उससे पता चलता है कि जंगल राज उनकी मानसिकता, डीएनए में है, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि बिहार अब बदल गया है। अब यहां सुशासन है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेज प्रताप यादव का पटना में अपने आवास पर होली समारोह के दौरान पुलिस कर्मियों को डांस करने का निर्देश देने का एक वीडियो वायरल हो गया है। वीडियो सामने आने के बाद सत्तारूढ़ एनडीए पार्टियों ने तीखी आलोचना की है। वीडियो में तेज प्रताप यादव एक पुलिसकर्मी से कहते सुनाई दे रहे हैं, ÷ए सिपाही, एक गाना बजाएंगे उसमें तुमको ठुमका लगाना है। बुरा ना मानो होली है। ठुमका लगाओ नहीं तो सस्पेंड कर दिए जाओगे। कुछ ही क्षण बाद, पूर्व पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री गाना शुरू कर देते हैं और पुलिसकर्मी भी उनके साथ शामिल हो जाता है, तथा अपने हाथ उठाकर नाचने लगता है। तेज प्रताप यादव के निर्देश का पालन करने वाले पुलिसकर्मी के वीडियो पर भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा, ÷...उन्होंने अपने बॉडीगार्ड को नाचने के लिए कहा, नहीं तो वे उसे सस्पेंड कर देंगे। उनके पास किसी को सस्पेंड करने की शक्ति और अधिकार नहीं है। यह जंगलराज नहीं है, यह नीतीश कुमार की सरकार है, सुशासन है... ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना दुर्भाग्यपूर्ण है। राजद के लोग अपनी मानसिकता से बाहर नहीं आए हैं इसलिए इस तरह की भाषा बोल रहे हैं।

कचरा संकट को लेकर सरकार को ब्लैकमेल करने की हो रही कोशिश : डीके

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बेंगलुरु के विधायकों पर आरोप लगाया कि वह लोग कचरा संकट को लेकर सरकार को ब्लैकमेल कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि ये विधायक इस मामले को छिपाने और निपटान के लिए विकास निधि से करीब 800 करोड़ रुपए की मांग कर रहे हैं। हालांकि डिप्टी सीएम ने किसी का भी नाम नहीं लिया। इससे पहले डिप्टी सीएम ने अपनी योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि शहर के कचरा निपटान कार्य को चार पैकेजों में बांटने और कचरे को शहर से 50 किलोमीटर दूर ले जाने की योजना बनाई गई थी। लेकिन कानूनों की वजह से अभी यह पूरी तरह से ठप्प पड़ी हुई है। जहां तक इस योजना में लगे वाहनों की बात है तो वह तीन दिनों से शहर से दूर महादेवपुरा में फंसे हुए हैं। विधान परिषद में कूड़े के मुद्दे पर पार्षद एम नागराजू के सवालों का जवाब देते हुए डी के शिवकुमार ने कहा कि मैंने मीडिया में कचरे की समस्या को लेकर चल रही रिपोर्ट्स को देखा है। यहां एक बड़ा माफिया काम करता है। कचरे को हटाने वाले ठेकेदारों ने एक बड़ा गिरोह बना लिया है और जो भी उनके रेट हैं उससे 85 फीसदी तक ज्यादा बोली लगाई है। हमारी सरकार इस मामले में कार्रवाई कर रही है, उनकी इन गलत हरकतों से निपटने के लिए हमने अदालत का दरवाजा खटखटाया है।उन्होंने कहा कि कानूनी दांव-पेंचों की वजह से कचरा प्रबंधन की नीति को कारगर बनाने में देरी हो रही है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने बेंगलुरू के सभी विधायकों को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा, हमारे बेंगलुरू के विधायक हमें ब्लैकमेल कर रहे हैं। मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता। मैं आपको सच्चाई बता रहा हूं। वे सभी पार्टियों से हैं। वे विकास निधि के रूप में 800 करोड़ रुपये चाहते हैं। मैं यहां उनका नाम नहीं ले सकता।

अभिनेत्री रन्या राव का आरोप, मुझे कई बार थप्पड़ मारे और खाना नहीं दिया गया

-डीआरआई के अतिरिक्त महानिदेशक को लिखा खत

बेंगलुरु (एजेंसी)। सोने की तस्करी के मामले में गिरफ्तार कन्नड़ अभिनेत्री रन्या राव फिर जांच एजेंसी डीआरआई अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अभिनेत्री रन्या ने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) अफसरों पर आरोप लगाया है कि पूछताछ के दौरान कई बार थप्पड़ मारे गए, खाना नहीं दिया गया और डीआरआई के अधिकारियों ने मुझे खाली दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया।

डीआरआई के अतिरिक्त महानिदेशक को लिखे पत्र में अभिनेत्री रन्या ने खुद को निर्दोष बताकर कहा कि उन्हें झूठे मामले में फंसाया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की बेटी कन्नड़ अभिनेत्री रन्या राव को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने 4 मार्च 2025 को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया था। वे दुबई से 14.8 किलोग्राम सोना तस्करी कर लाने की कोशिश कर रही थीं। इस सोने की कीमत लगभग 12 करोड़ रुपये आंकी गई है। रन्या ने दावा किया कि उन्हें विमान के अंदर ही गिरफ्तार किया और डीआरआई ने उन्हें स्पष्टीकरण देने का मौका दिए बिना हिरासत में ले लिया। रन्या ने कहा, जब से मुझे हिरासत में लिया गया, तब से लेकर अदालत में पेश करने तक, मुझे शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया, जिन अधिकारियों को मैं पहचान सकती हूं, उन्होंने मुझे 1015 बार थप्पड़ मारे।

इसके पहले जब अदालत ने रन्या से पूछा कि क्या आपको किसी परेशानी का सामना करना पड़ा? तब अभिनेत्री कोर्ट में ही रो पड़ीं और उन्होंने डीआरआई अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया। इसके बाद कोर्ट ने रन्या से पूछा कि क्या आपको मेडिकल उपचार मिला है? इस सवाल का जवाब देकर अभिनेत्री ने दावा किया कि मुझे मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है।

वहीं, अदालत में अभिनेत्री की पेशी के दौरान डीआरआई के छह से ज्यादा अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने अभिनेत्री रन्या के दावे को खारिज कर रन्या पर सवालों के जवाब ना देना और जांच में सहयोग ना करने का आरोप लगाया है।

भारत ने सुनाई खरी-खरी कहा- आतंकवाद का केंद्र तोज्पाकिस्तान है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने साफ शब्दों में कह दिया कि पाकिस्तान ही दुनिया भर में फैल रहे आतंकवाद का एक प्रमुख केंद्र है। दरअसल, तरक्की की राह पर चल रहे जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तान की तरफ से एक बार फिर यूएन में अपना खोखला दावा पेश किया गया था। इस पर संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्थसारथी हरीश ने शाहबाज शरीफ के देश को मुंहतोड़ जवाब देते हुए कहा कि पड़ोसी देश की कट्टरपंथी मानसिकता का लंबा चौड़ा इतिहास रहा है।

पाकिस्तान के बयान की आलोचना करते हुए हरीश ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश हमेशा से भारत का अभिन्न अंग रहा है। अपनी आदत के अनुसार ही पाकिस्तान के पूर्व विदेश सचिव ने आज भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का अनुचित जिक्र किया है। बार-बार जम्मू-कश्मीर का जिक्र करने से न तो उनके दावे वैध होंगे और न ही सीमा पार आतंकवाद की उनकी कार्यप्रणाली उचित होगी। हरीश ने जोर देकर कहा, पाकिस्तान की राष्ट्र की कट्टरपंथी मानसिकता जगजाहिर है, साथ ही कट्टरता का इसका इतिहास भी। इस तरह के प्रयासों से यह हकीकत नहीं बदलेगी कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था है और हमेशा रहेगा।एक दिन पहले ही पाकिस्तान ने बलूचिस्तान ट्रेन हाईजैस केस के लिए भारत पर उंगली उठाई थी। इसपर करारा जवाब भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से भी दिया गया था। भारत ने कहा कि दुनिया अच्छी तरह से जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का असली केंद्र कहां है। यूएन में भारत के स्थायी मिशन ने बाद में एक बयान जारी कर संयुक्त राष्ट्र सत्र में हरीश के मजबूत भाषण की सराहना की। बयान में कहा गया है, हरीश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत विविधता और बहुलवाद की भूमि है।

राकेश टिकैत की कार का हुआ भीषण एक्सीडेंट, बाल-बाल बचे किसान नेता

मुजफ्फरनगर । उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले से बड़ी खबर आ रही हैं यहां किसान नेता और भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की कार से एक नीलगाय टकरा गई। घटना में टिकैत बाल-बाल बच गए। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। टिकैत के मुताबिक उनकी गाड़ी मीरापुर बायपास रोड के पास थी तभी अचानक एक नीलगाय सामने आई और उनकी गाड़ी से टकरा गई। घटना में वे बाल-बाल बच गए। सूचना मिलने पर उत्तर प्रदेश के मंत्री कपिल देव अग्रवाल और मुजफ्फरनगर से लोकसभा सदस्य हरेंद्र सिंह मलिक व अन्य लोगों ने टिकैत से उनके आवास पर मुलाकात कर उनका हाल चाल जाना। रिपोर्ट के मुताबिक, मुजफ्फर नगर में अपने आवास पर टिकैत ने कहा कि नीलगाय गलत दिशा से आई और वाहन से टकरा गई। टिकैत ने कहा कि मैंने गाड़ी में सीट बेल्ट लगाई थी और इससे काफी सुरक्षा मिली। सभी को सीट बेल्ट लगानी चाहिए। अगर गाड़ी छोटी होती और कोई सीट बेल्ट नहीं लगाए होता तब नुकसान ज्यादा हो सकता था। गनर ने सीट बेल्ट लगाई हुई थी, गनर को भी मामूली चोटें आईं।

18 मार्च को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की मौजूदगी में आयुष्मान भारत योजना में शामिल होगा दिल्ली

पहले चरण में छह लाख लोगों को लाभार्थी बनाया जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेवॉय) जल्द लागू होने वाली है। 18 मार्च को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की मौजूदगी में दिल्ली सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होगा। इसके साथ ही दिल्ली योजना को अपनाने वाला 35वां राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश बनेगा। इस दौरान, दिल्ली के पांच परिवारों को पहली बार आयुष्मान भारत योजना का लाभार्थी कार्ड दिया जाएगा।

योजना लागू होने के बाद दिल्ली में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा, दिल्ली सरकार भी 5 लाख रुपए तक की अतिरिक्त सहायता देगी, जिससे कुल 10 लाख रुपए तक का हेल्थ कवर मिलेगा।

मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि एमओयू का समय तय हुआ है, लेकिन दिल्ली में कितने परिवारों को योजना का हिस्सा बनाना है? इसके बारे में राज्य सरकार से जानकारी मिलना बाकी है। सूत्रों के मुताबिक, पहले चरण में छह लाख लोगों को लाभार्थी बनाया जाएगा। इसके अलावा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और दिल्ली में 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्गों को भी योजना का लाभ मिलेगा। दिल्ली के लोगों को आयुष्मान भारत का हिस्सा बनने के लिए ऑनलाइन पोर्टल या मोबाइल एप पर रजिस्ट्रेशन करना होगा, जो नेशनल हेल्थ अथॉरिटी की ओर से संचालित है।

देशभर में 55 करोड़ लोग उठा रहे हैं योजना का लाभ आयुष्मान भारत योजना देश में 12.37 करोड़ परिवारों के करीब 55 करोड़ लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा दे रही है। 29 अक्टूबर 2024 को सरकार ने इसके नियमों में बदलाव कर 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को 10 लाख रुपए तक का वार्षिक हेल्थ कवर देने का फैसला किया था। दिल्ली में योजना के लागू होते ही पश्चिम बंगाल ही इकलौता राज्य होगा, जिसने योजना को नहीं अपनाया है।

मस्जिदों को ढंकने पर भड़के ओवैसी बोले- डरपोक थे जो पाकिस्तान भाग गए

हैदराबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि आखिर अपने ही देश में मुसलमानों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार क्यों किया जा रहा है। ओवैसी ने कहा, कोई कहता है कि अगर तुम्हें डर है तो तुम नमाज मत पढ़ो, घर में बैठ जाओ। कोई कहता है कि जैस मस्जिदों को कवर कर दिया तुम अपने सिर को कवर कर लो। कोई कहता है कि बंगाल में अगर हम हुकूमत में आ जाएंगे तो मुसलमानों को बंगाल से निकाल देंगे। अरे भाई वे डरपोक थे जो पाकिस्तान भाग गए। ये जियालों की औलाद हैं भागने वालों में से नहीं हैं। हमारे लोग ईमान की दौलत से मालामाल थे। उन्होंने भारत को अपना वतन माना और मानते रहेंगे। अजीब बातें चल रही हैं।

हैदराबाद में एक जलसे को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमसे आत्मसम्मान छीना जा रहा है। बताया जा रहा है कि तुम दूसरे दर्जे के शहरी हैं। हम तुम्हारा लोकतांत्रिक तरीके से मुकाबला करेंगे और तुम हारोगे। एक मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि जुमे की नमाज घर में पढ़ लो। आप कब से अल्लामा बन गए। अब इनसे दीन सीखना पड़ेगा। और घर में क्या-क्या कर सकते हैं। मस्जिद है, धार्मिक मान्यता की स्वतंत्रता है। हम मस्जिद को जाएंगे और मस्जिद को आबाद करते रहेंगे। आर्टिकल 25 हमें इस बात की इजाजत देता है। मैं अपना दीन तुमसे नहीं सीखूंगा।बता दें कि होली और रमजान साथ में पड़ने की वजह से देश के कई हिस्सों में मस्जिदों को ढका गया जिससे मस्जिदों पर रंग ना पड़े और किसी तरह के सांप्रदायिक तनाव को रोका जा सके। उत्तर प्रदेश में कई महीनों से संभल में तनाव है। ऐसे में यहां भी मस्जिदों को ढकवा दिया गया था। वहीं अयोध्या में भी मस्जिदों को ढकवाया गया था। संभल के सीओ अनुज चौधरी ने कहा था कि जो लोग रंगों से असहज महसूस ककरते हैं वे घर के अंदर रहें। उन्होंने कहा था कि साल में एक बार ही होली होती है वहीं नमाज 52 बार होती है। अगर किसी को रंगों से दिक्कत है तो उन्हें घर के अंदर ही रहना चाहिए।

ओलावृष्टि के बाद चलीं तेज हवाएं: हल्की सर्दी भी बढ़ी, कई राज्यों में होगी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान सहित देश के कई हिस्सों में हुई ओलावृष्टि से मौसम का मिजाज बदला है। ओलावृष्टि के बाद तेज हवाएं चलने से हल्की सर्दी भी बढ़ी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, एक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना है। खासकर ऊंचाई वाले क्षेत्रों जैसे शिमला, मनाली, श्रीनगर और गुलमर्ग में सुबह से दोपहर तक मौसम थोड़ा नम रह सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में आज या कल दिल्ली और आसपास के इलाकों में सुबह के समय हल्की ठंड और तेज हवाएं (20-30 किमी/घंटा) चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 27-28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14-15 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। ओलावृष्टि का प्रभाव कम हो गया है, लेकिन हवा में नमी और ठंडक बनी रहेगी। उत्तर प्रदेश में 15 मार्च 2025 को उत्तर प्रदेश में मौसम में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश (जैसे सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद) और पूर्वी उत्तर प्रदेश (जैसे प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर) के कुछ हिस्सों में छिटपुट बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है। तापमान की बात करें तो न्यूनतम तापमान 12-15 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 28-32 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पंजाब और हरियाणा- इन राज्यों में ओलावृष्टि के बाद तेज हवाओं का असर जारी है। पंजाब के कुछ इलाकों में सुबह हल्का कोहरा और ठंड रहेगी, जबकि हरियाणा में दिन के समय तापमान 26-28 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। दोनों राज्यों के कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना भी है। हवाओं की गति 30-40 किमी/घंटा तक रह सकती है, जिससे हल्की सर्दी का अहसास होगा। ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों को लेकर किसानों की चिंता बढ़ी हुई है।

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर-पहाड़ी इलाकों में ओलावृष्टि और बर्फबारी का दौर थम गया है, लेकिन तेज हवाओं ने ठंड को और गहरा कर दिया है। हिमाचल और उत्तराखंड में न्यूनतम तापमान 2-5 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है, जबकि जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में शून्य से नीचे रहेगा। कुछ स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा) चलेंगी, जिससे ठंड का असर बना रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका ने हमास से संबंध का आरोप लगाया और भारतीय छात्रा का वीजा रद्द किया

वॉशिंगटन। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली रंजनी श्रीनिवासन पर अमेरिका ने हमास का समर्थन करने का आरोप लगाया और उनका वीजा रद्द कर दिया। इसके बाद रंजनी खुद ही डिपोर्ट हो गईं और उन्होंने अमेरिका को टाटा-बाय कर दिया। खुद अमेरिकी होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा कि कोलंबिया विश्वविद्यालय की भारतीय डॉक्टोरल छात्रा रंजनी ने स्वेच्छा से संयुक्त राज्य अमेरिका छोड़ दिया है। अब सवाल है कि आखिर रंजनी का वीजा कैंसल क्यों हुआ और उनका हमास से क्या कनेक्शन है। तो इसकी वजह है कि रंजनी ने हमास का समर्थन किया था। यही आरोप लगाकर अमेरिका ने उनका वीजा रद्द कर दिया। इसके बाद रंजनी खुद ही अमेरिका से डिपोर्ट हो गईं। रंजनी के खुद डिपोर्ट होने पर अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने कहा कि अमेरिका में रहना और अध्ययन करना एक विशेषाधिकार है। यदि कोई आतंकवाद और हिंसा का समर्थन करता है, तो यह विशेषाधिकार छीन लिया जाना चाहिए। इस मामले ने अमेरिका में विदेशी छात्रों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी की ओर इशारा किया है। डीएचएस यानी अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के अनुसार, रंजनी श्रीनिवासन पर हमास का समर्थन करने का आरोप लगाया गया था। इस वजह से उनका एफ-1 स्टूडेंट वीजा 5 मार्च 2025 को रद्द कर दिया गया। अमेरिका हमास को एक आतंकवादी संगठन मानता है। यही वजह है कि अमेरिका ने रंजनी के वीजा को सुरक्षा चिंताओं के कारण रद्द कर दिया गया था। इसके बाद 11 मार्च 2025 को रंजनी ने सीबीपी होम ऐप का उपयोग करके अमेरिका से स्वेच्छा से डिपोर्ट किया। इस घटना का वीडियो फुटेज भी मौजूद है। श्रीनिवासन कोलंबिया विश्वविद्यालय में अपनी पीएचडी पूरी कर रही थीं। वे शहरी नियोजन और भूमि उपयोग पर शोध कर रही थीं। उनका अध्ययन भारत के अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भूमि और श्रम संबंधों पर केंद्रित था।

ट्रेन हाइजेक मामला : बलूच विद्रोहियों का दावा कहा- 214 सैन्य बंधकों को मार डाला

क्वेटा। पाकिस्तान में हुई ट्रेन हाईजेक मामले में बलूच लिबरेशन आर्मी ने बड़ा दावा किया है। बीएलए ने जारी बयान में कहा है कि मारे गए सभी 214 बंधक पाकिस्तानी सेना के जवान हैं। मंगलवार को बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा से पेशावर जा रही जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को बलूचिस्तान में बोलन दर्रे के पास हाईजैक कर लिया था। ट्रेन में 450 से ज्यादा लोग मौजूद थे, लेकिन बीएलए ने बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को जाने दिया था। बीएलए ने 214 पाकिस्तानी सैन्य बंधकों के कब्जे में होने का दावा किया था। पाकिस्तानी सेना ने बुधवार रात को बंधक संकट के खत्म होने की घोषणा करते हुए बताया कि उसने ऑपरेशन में सभी 33 बीएलए लड़ाकों को मार दिया है। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि उसने संभी बंधकों को छुड़ा लिया है। हालांकि, पाकिस्तानी सेना ने बंधकों की रिहाई या बीएलए को हुई क्षति के बारे में कोई वीडियो या तस्वीरें जारी नहीं कीं। इसके अगले ही दिन बीएलए ने बयान जारी कर पाकिस्तानी सेना के दावों को झूठा करार दिया और कहा कि अभी भी बंधक उनके कब्जे में हैं। समूह ने यह भी कहा कि पाकिस्तानी सेना ने अपने जवानों को मरने के लिए छोड़ दिया है। समूह ने पाकिस्तानी राज्य पर अपनी मांगों को अनदेखा करने और बंधकों की रिहाई के लिए गंभीर बातचीत में शामिल होने से इनकार करने का आरोप लगाया। बीएलए ने कैदियों की अदला-बदली के लिए बातचीत करने के लिए पाकिस्तानी सेना को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। बीएलए प्रवक्ता जीयांद बलूच ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि पाकिस्तान ने सार्थक बातचीत की जगह पुरानी जिद और सैन्य अहंकार को चुनाव और जमीन पर स्थिति को स्वीकार करने में विफल रहा। बलूच ने कहा कि इस जिद के परिणामस्वरूप संभी 214 बंधकों को मार दिया गया है। बलूच ने पाकिस्तान सेना की इस बात के लिए आलोचना की कि वह बीएलए लड़ाकों के शवों को सफलता के रूप में दिखा रही है। उन्होंने कहा कि उनका मिशन कभी भी जिंदा वापस लौटना नहीं था, बल्कि आखिरी गोली तक लड़ना था।

नई एआई तकनीक कमाल, मात्र सोचने भर से हो जाएगा टाइप

सैन फ्रांसिस्को । सोशल मीडिया प्लेटफार्म कंपनी मेटा अब एक नई एआई तकनीक लेकर आई है जिसमें अब सिर्फ सोचने से ही टाइप हो जाएगा। मेटा (पहले फेसबुक) ने 2017 में इस अनोखी ब्रेन-टाइपिंग तकनीक का कॉन्सेप्ट पेश किया था। इसका उद्देश्य यह है कि इंसान बिना कीबोर्ड या स्क्रीन के सिर्फ अपने दिमाग से शब्दों को टाइप कर सके। मेटा की यह तकनीक न्यूरोसाइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के संयोजन से काम करती है। यह ब्रेन की गतिविधियों का विश्लेषण करके अनुमान लगाती है कि व्यक्ति कौन सा अक्षर या शब्द टाइप करना चाहता है। इसके लिए एक विशेष मशीन का उपयोग किया जाता है जो मस्तिष्क से निकलने वाले मैग्नेटिक संकेतों को पकड़कर उन्हें टेक्स्ट में बदलती है। ताजा के मुताबिक इस तकनीक में मैग्नेटोएन्सेफलोग्राफी (एमईजी) मशीन का इस्तेमाल किया जाता है जो मस्तिष्क की सूक्ष्म गतिविधियों को रिकॉर्ड करने में सक्षम है। यह मशीन बहुत सटीक है लेकिन इसका आकार काफी बड़ा और कीमत बहुत अधिक है जिससे इसका आम उपयोग फिलहाल संभव नहीं है। भले ही यह तकनीक विज्ञान की दुनिया में एक क्रांतिकारी कदम हो लेकिन इसे रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल करने के लिए अभी काफी समय लग सकता है। एमईजी मशीन का वजन लगभग 500 किलोग्राम है और इसकी कीमत लगभग 16 करोड़ रुपये बताई जाती है।

214 मौतों पर भारत ने पाकिस्तान को दिखाई औकात, ट्रेन हाईजैक में नाम घसीटने पर खोल दी पूरी पोल-पट्टी

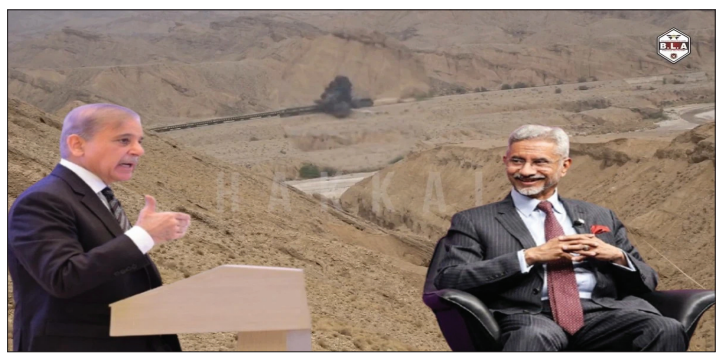

नई दिल्ली (एजेंसी)। 48 घंटे में भी जब पाकिस्तान बीएलए के आगे नहीं झुका तो बलूच आर्मी ने भी पाक सेना के 214 सुरक्षा कर्मियों को मार गिराने दावा किया। इधर इस तरह के दावे हो रहे थे और उधर पाकिस्तान इन हमलों की जिम्मेदारी का ठीकड़ा भारत पर फोड़ने की कोशिश में लगा था। पाकिस्तान में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन हाईजैक मामले में अलग अलग दावे सामने आए। लेकिन इन सबमें सबसे झूठा दावा पाकिस्तान द्वारा भारत का नाम लेकर हमले के लिए जिम्मेदार ठहराने की थी। इधर पाकिस्तान की तरफ से ये आरोप लगाने की भूल हुई और उधर भारत ने पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दे दिया। पाकिस्तानी सेना हाईजैक ऑपरेशन खत्म करने की बात कर रहा था। उधर बलूच विद्रोही दावा कर रहे थे कि 48 घंटे पूरे होने के बाद उन्होंने 214 जवानों को मार डाला है। उधर दुनियाभर में बेइज्जत होने के बाद पाकिस्तान इस ट्रेन हाईजैक का आरोप भारत पर लगा रहा है। भारत ने मुहंतोड़ जवाब दिया। भारत ने पाकिस्तान के विदेश कार्यालय द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को खारिज कर इसका सिरे से खंडन किया। पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि जाफर एक्सप्रेस हमले में भारत का हाथ था। भारत ने बलूचिस्तान ट्रेन हमले के बाद पाकिस्तान द्वारा लगाए गए आरोपों को आधारहीन करार दिया और कहा कि इस्लामाबाद को अपनी विफलताओं के लिए दूसरों पर दोष मढ़ने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। भारत ने यह भी कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान ने बलूचिस्तान ट्रेन हमले का प्रत्यक्ष रूप से उल्लेख न करते हुए बृहस्पतिवार भारत पर आतंकवाद को प्रायोजित करने का आरोप लगाया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस्लामाबाद के आरोपों पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हम पाकिस्तान द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों को पुरजोर ढंग से खारिज करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को उंगली उठाने और अपनी आंतरिक समस्याओं और विफलताओं का दोष दूसरों पर मढ़ने के बजाय अपने अंदर झांकना चाहिए। गौरतलब है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने बृहस्पतिवार को साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में बलूचिस्तान प्रांत में ट्रेन पर हुए हमले के बारे में सवाल पूछे जाने पर कहा था कि पूरी घटना के दौरान आतंकवादी अफगानिस्तान-आधारित आतंकवादियों के साथ प्रत्यक्ष संपर्क में थे। उन्होंने बिना कोई सबूत दिये आरोप लगाया था, हमारी नीति में कोई बदलाव नहीं है। और फिर, तथ्य नहीं बदले हैं। भारत पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद को प्रायोजित करने में शामिल है।

हमास ने की बंधकों के शव लौटाने की पेशकश, इजरायल ने जताया अविश्वास

तेल अवीव। फिलिस्तीनी उग्रवादी संगठन हमास का कहना है कि वह एक जीवित अमेरिकी-इजरायली बंधक को रिहा करने और चार नागरिकों के शव लौटाने को तैयार है। हमास ने पुष्टि की कि ये चारों बंधक उसकी कैद में ही मारे गए थे, लेकिन उसने यह स्पष्ट नहीं किया कि रिहाई कब होगी और इसके बदले में उसकी क्या मांगें हैं। हमास के इस प्रस्ताव वाले बयान पर इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने अविश्वास जताते हुए कहा कि यह कदम कतर में चल रही संघर्षविराम वार्ता को भटकाने की कोशिश हो सकता है। यहां बताते चलें कि कतर की मध्यस्थता में इजरायल-हमास संघर्षविराम को लेकर वार्ता जारी है। इजरायल को शक है कि हमास की यह पेशकश वार्ता में दबाव बनाने की रणनीति हो सकती है। अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि हमास बंधकों की रिहाई के बदले में क्या चाहता है। इजरायल और हमास के बीच गजा युद्ध के बाद से बंधकों की रिहाई और संघर्षविराम को लेकर कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है।

मैं नहीं चाहता पीएम मोदी और अन्य वैश्विक नेता राजधानी में गड्ढे देखें, ट्रंप ने वॉशिंगटन डीसी को साफ करने का दिया आदेश

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे नहीं चाहते कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और व्हाइट हाउस में उनसे मिलने आए अन्य विश्व नेताओं को वाशिंगटन डीसी में संघीय इमारतों के पास टेंट और भित्तिचित्र देखने को मिलें। इसीलिए उन्होंने अमेरिकी राजधानी की सफाई का आदेश दिया। न्याय विभाग में अपनी टिप्पणी में ट्रंप ने कहा, ÷हम अपने शहर की सफाई कर रहे हैं। हम इस महान राजधानी की सफाई कर रहे हैं, और हम अपराध नहीं होने देंगे, और हम अपराध के लिए खड़े नहीं होंगे, और हम भित्तिचित्रों को हटाने जा रहे हैं, और हम पहले से ही टेंट हटा रहे हैं, और हम प्रशासन के साथ काम कर रहे हैं।÷ ÷जब भारत के प्रधानमंत्री मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति, और ये सभी लोग। यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री, वे सभी पिछले डेढ़ सप्ताह में मुझसे मिलने आए थे। और जब वे आए। मैंने रूट चलाया।÷ ट्रंप ने कहा। उन्होंने कहा, ÷मैं नहीं चाहता था कि उन्हें टेंट, भित्तिचित्र, टूटे हुए अवरोध और सड़कों पर गड्ढे दिखें। और हमने इसे सुंदर बना दिया। ट्रंप ने कहा कि हम शहर के लिए ऐसा करने जा रहे हैं और हमारे पास अपराध-मुक्त राजधानी होगी। जब लोग यहां आएंगे, तो उन्हें लूटा नहीं जाएगा, गोली नहीं मारी जाएगी या बलात्कार नहीं किया जाएगा। उनके पास अपराध-मुक्त राजधानी होगी; फिर से, यह पहले से कहीं ज़्यादा स्वच्छ, बेहतर और सुरक्षित होने जा रही है, और इसमें हमें ज़्यादा समय नहीं लगेगा। पीएम मोदी ने 13 फरवरी को ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक के लिए व्हाइट हाउस का दौरा किया, जो जनवरी में अपने शपथ ग्रहण के कुछ ही हफ़्तों बाद ट्रंप द्वारा आयोजित चौथा विदेशी नेता था।

व्हाइट हाउस में ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के एक महीने से भी कम समय के भीतर, उन्होंने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा और जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय की मेजबानी की थी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर उन अन्य विदेशी नेताओं में शामिल हैं, जिनकी ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में अब तक मेजबानी की है।

चीन भले ही अमेरिका का दुश्मन हो पर चीनी हैं लेविट के दीवाने

-आत्मविश्वास भरे अंदाज ने उन्हें चीन में ऑनलाइन सेलिब्रिटी बना दिया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और चीन के बीच भले ही ट्रेड वॉर चल रहा हो, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने चीन के इंटरनेट यूजर्स के बीच लोकप्रियता हासिल की है। 27 साल की लेविट सबसे युवा प्रेस सचिव हैं और उनके आत्मविश्वास भरे अंदाज ने उन्हें चीन में ऑनलाइन सेलिब्रिटी बना दिया है।

लेविट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अमेरिकी पत्रकारों से तीखे सवालों का जवाब देती नजर आईं। चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उन्हें बोल्ड, स्मार्ट और प्रभावशाली महिला के रूप में सराहा जा रहा है। शेडोंग प्रांत के एक यूजर ने लिखा कि उनकी वाकपटुता और शांत स्वभाव गजब का है। बिना दबाव में आए वह अपना काम बखूबी निभा रही हैं। एक अन्य ने कहा कि लेविट उन कर्मचारियों के लिए एक प्रेरणा हैं जो कार्यस्थल पर खुद को व्यक्त करने में हिचकिचाते हैं।

मीडिया एक्सपर्ट के मुताबिक चीन में महिलाएं पारंपरिक रूप से परिवार पर ध्यान केंद्रित करती थीं, लेकिन अब वे अधिक स्वतंत्र हो रही हैं। इस वजह से लेविट जैसी आत्मनिर्भर और सशक्त महिला चीन की युवतियों के लिए प्रेरणा बन गई हैं। पत्रकारों के सवालों पर धारदार जवाब देने की उनकी शैली है। सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके लुक्स और प्रोफेशनल एटिट्यूड की तारीफ की। चीन में कई महिलाएं पारंपरिक भूमिकाओं से बाहर निकलकर करियर पर ध्यान दे रही हैं और लेविट को एक आदर्श मान रही हैं।

जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी के रिसर्चर के मुताबिक लेविट की लोकप्रियता सिर्फ राजनीति तक सीमित नहीं है। उनकी कम उम्र, आत्मविश्वास और लुक्स भी इसमें अहम भूमिका निभा रहे हैं। लेविट ने न केवल व्हाइट हाउस की सबसे युवा प्रेस सचिव के रूप में अपनी पहचान बनाई है, बल्कि चीन के इंटरनेट यूजर्स के बीच भी अपनी अलग छाप छोड़ी है। उनकी लोकप्रियता राजनीतिक मतभेदों से परे यह दिखाती है कि दुनिया में लोग आत्मविश्वास, वाकपटुता और प्रभावशाली व्यक्तित्व को सराहते हैं।

जी-7 देशों ने वन चाइना नीति को दरकिनार किया, गुस्से से लाल हुआ ड्रैगन

ओटावा। जी-7 देशों ने अपने हालिया बयान में वन चाइना नीति के संदर्भ को हटाया है, इससे चीन नाराज हो गया है। चीन ने जी-7 के कदम को अपनी संप्रभुता के लिए खतरा करार देकर अहंकारी और दोहरे मापदंड वाला बताया है। इस बदलाव के चलते दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया है। जी-7 के विदेश मंत्रियों द्वारा जारी बयान में ताइवान को लेकर चीन की जबरदस्ती की निंदा की गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, जी-7 ने अपने बयान से वन चाइना नीति का उल्लेख हटा दिया, जो दशकों से ताइवान मुद्दे पर पश्चिमी देशों की नीति का आधार रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव पश्चिमी देशों की चीन के प्रति कड़े रुख को दिखाता है। जी-7 देशों ने चीन के बढ़ते परमाणु जखीरे को लेकर भी चिंता जाहिर की। हालांकि, इस बार के बयान में शिनजियांग, तिब्बत और हांगकांग में मानवाधिकारों के उल्लंघन का जिक्र नहीं है। पिछले बयानों में चीन के साथ रचनात्मक और स्थिर संबंधों की इच्छा जाहिर की गई थी, लेकिन इस बार यह संदर्भ भी हटा दिया गया।

चीन तेजी से बना रहा परमाणु बम, वर्तमान में ड्रेगन के पास हैं 600 परमाणु

-बड़े पैमाने पर मिसाइलें-बॉम्बर कर रहा तैयार, अमेरिका-भारत को है खतरा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। चीन अब तेज गति से परमाणु बम बना रहा है। अमेरिका में जारी एक ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन के कुल परमाणु बमों की संख्या 600 पहुंच गई है। यही नहीं चीन इन बमों को दोगुना करने के लिए बड़े पैमाने पर मिसाइलें और परमाणु बॉम्बर बना रहा है। दुनिया में कुल 9 परमाणु हथियार वाले देश हैं जिसमें से एनपीटी पर हस्ताक्षर करने वाला केवल चीन ही है जो इतनी तेजी से परमाणु हथियार बना रहा है।

अमेरिकी वैज्ञानिकों का दावा है कि पिछले पांच साल में चीन ने बहुत ज्यादा बड़े पैमाने पर परमाणु हथियारों का जखीरे तैयार कर लिया है। चीन ने कई तरह के और ज्यादा संख्या में परमाणु बम तैनात किए हैं जो पहले कभी नहीं किए। विश्लेषकों का कहना है कि चीन के निशाने पर सबसे पहले अमेरिका और भारत हैं। चीन ने दुनिया में सबसे बड़ी सेना बनाकर भारत, फिलपींस और जापान को धमकाना शुरू कर दिया है। यही नहीं चीन ताइवान के पास लाइव फायर ड्रिल करके उसे डरा रहा है।

अब चीन की कोशिश है कि सीधे अमेरिका से भिड़े और इस वजह से चीन परमाणु ताकत बढ़ाने पर युद्धस्तर पर काम कर रहा है। चीन के परमाणु बमों की संख्या 600 तक पहुंच गई है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने कहा कि चीन अपने 3 मिसाइल साइलो का निर्माण कर रहा है। इसमें अंतरमहाद्वीपीय परमाणु मिसाइलों को रखा जाएगा। इसके अलावा एक नया साइलो बना रहा है जहां डीएफ-5 आईसीबीएम को रखा जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन नए तरह के आईसीबीएम बना रहा है। इसके अलावा उसका इरादा ज्यादा परमाणु बम बनाने का है ताकि उन्हें इन मिसाइलों के अंदर लगाया जा सके।

चीन ने समुद्र के अंदर से परमाणु मिसाइल दागने की ताकत को भी बढ़ाया है। चीन ने टाइप 094 मिसाइल सबमरीन के अंदर जेएल-3 सबमरीन लॉन्च बलिस्टिक मिसाइल लगाई है। यही नहीं चीन ने हाल ही में अपने परमाणु बॉम्बर की ताकत में भी इजाफा किया है। इसमें हवा के रास्ते परमाणु मिसाइल दागने वाली मिसाइल लगाई है।

पेंटागन का अनुमान है कि चीन के परमाणु बमों की संख्या साल 2030 तक 1000 तक पहुंच जाएगी। इनमें से कई ऐसे परमाणु बम होंगे जो कहीं भी हमला करने के लिए पूरी तरह से तैयार होंगे। यही नहीं यह भी अनुमान है कि साल 2035 तक चीन के परमाणु बमों की संख्या 1500 तक पहुंच जाएगी। चीन के पास ऐसी मिसाइलें हैं कि वह पूरे भारत में कहीं भी परमाणु हमला कर सकता है। इसके अलावा चीन के पास कई अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलें हैं। इससे अमेरिका को भी बड़ा खतरा हो सकता है।

अमेरिका में बढ़े खसरे के मामले, दर्जनों मरीज अस्पताल में भर्ती

-सीडीसी ने जारी की चेतावनी, आने वाले दिनों में और बढ़ सकती है संख्या

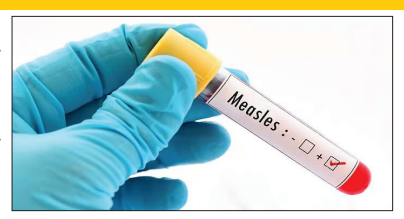

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका में खसरे के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अमेरिका में इस साल अब तक खसरे के कुल 301 मामलों की पुष्टि हुई है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी अमेरिका के सीडीसी द्वारा जारी ताजा आंकड़ों में दी गई है। खसरे के ये मामले 15 अलग-अलग अमेरिकी क्षेत्रों से सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक 50 मरीजों को भर्ती कराया गया है, जबकि दो लोगों की मौत हो चुकी है। टेक्सास में जनवरी से खसरे के मामलों में तेजी देखी गई है।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार तक 259 मामलों की पुष्टि हो चुकी थी, जिनमें से 34 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट हेल्थ सर्विसेज ने चेतावनी जारी की है, जिसके मुताबिक अत्यधिक संक्रामक बीमारी खसरे का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है और आने वाले दिनों में इसकी संख्या और बढ़ सकती है। बता दें कि खसरा एक अत्यधिक संक्रामक वायरल संक्रमण है, जो खांसने या छींकने से फैलता है। इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, नाक बहना, लाल आंखें और पूरे शरीर पर फैलने वाला दानेदार लाल चकत्ता शामिल हैं। गंभीर मामलों में खसरा निमोनिया, दिमाग में सूजन और यहां तक कि मौत का कारण भी बन सकता है।

सीडीसी ने कहा कि खसरे से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका टीकाकरण है। एमएमआर (मीजल्स, मम्प्स, रूबेला) वैक्सीन की दो डोज इस बीमारी को रोकने में प्रभावी मानी जाती हैं। इसके अलावा यूरोप में भी 2024 में खसरे के मामलों में भारी वृद्धि दर्ज की गई थी। वहां 1,27,350 मामले सामने आए थे, जो 2023 की तुलना में दोगुने हैं और 1997 के बाद सबसे ज्यादा थे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की रिपोर्ट के मुताबिक यूरोपीय क्षेत्र में दुनिया के कुल खसरा मामलों का एक तिहाई दर्ज हुआ। इन 53 देशों वाले क्षेत्र (यूरोप) में रिपोर्ट किए गए कुल मामलों में से 40 फीसदी से ज्यादा पांच साल से कम उम्र के बच्चों में पाए गए। रिपोर्ट के मुताबिक खसरा संक्रमित आधे से ज्यादा लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा और अब तक 38 मौतों की पुष्टि हो चुकी है। 1997 में यूरोप में खसरे के 2,16,000 मामले दर्ज हुए थे, लेकिन 2016 तक यह संख्या घटकर 4,440 रह गई थी। हालांकि, 2018 और 2019 में इसमें फिर वृद्धि हुई और 89,000 और 1,06,000 मामले दर्ज किए गए।

पाकिस्तान सहित 41 देशों के नागरिक नहीं रख पाएंगे अमेरिका में कदम, कई देशों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन(एजेंसी)। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और म्यांमार समेत 41 देश ऐसे हैं जो अमेरिकी की धरती पर कदम नहीं रख पाएंगे। वजह ये है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 41 देशों पर व्यापक यात्रा प्रतिबंध लगाने की योजना पर विचार कर रहे हैं। इस प्रस्तावित नीति का असर खास तौर पर उन देशों पर पड़ सकता है, जिनमें भारत के पड़ोसी देश जैसे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और म्यांमार शामिल हैं।

अमेरिका ने पहले समूह में दस देशों को शामिल किया है। इसमें अफगानिस्तान, ईरान, सीरिया, क्यूबा और उत्तर कोरिया जैसे देश शामिल हैं। इन देशों के नागरिकों के लिए अमेरिकी वीजा जारी करने पर पूरी तरह रोक लगाई जा सकती है। जबकि दूसरे समूह में 5 देश है जिसमें इरिट्रिया, हैती, लाओस, म्यांमार और दक्षिण सूडान जैसे देश हैं। इन देशों के लिए आंशिक प्रतिबंध प्रस्तावित हैं, जिसमें पर्यटक, छात्र और कुछ अप्रवासी वीजा सीमित होंगे, हालांकि कुछ अपवाद संभव हैं। इसी तरह तीसरे समूह में 26 देश रखे गए हैं, इसमें बेलारूस, पाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान जैसे देश शामिल हैं। इन देशों पर आंशिक वीजा प्रतिबंध लग सकते हैं, बशर्ते उनकी सरकारें 60 दिनों के भीतर सुरक्षा संबंधी कमियों को दूर न करें। हालांकि सूची अभी अंतिम नहीं है और इसमें बदलाव संभव है, लेकिन अगर यह लागू होता है, तो यह ट्रंप प्रशासन की व्यापक आव्रजन नीति का हिस्सा होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे न केवल प्रभावित देशों के साथ अमेरिका के संबंध प्रभावित हो सकते हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर मानवीय संकट भी गहरा सकता है।

इस प्रस्तावित प्रतिबंध का सबसे बड़ा असर भारत के पड़ोसी देशों, खासकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान पर पड़ सकता है। सूत्रों के अनुसार, अफगानिस्तान को पूर्ण यात्रा प्रतिबंध वाली सूची में शामिल किया जा सकता है, जबकि पाकिस्तान को भी इस सूची में शामिल करने की सिफारिश की गई है। इससे इन देशों के नागरिकों के लिए अमेरिका में प्रवेश करना मुश्किल हो सकता है। विशेष रूप से अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद वहां से शरणार्थियों और विशेष अप्रवासी वीजा धारकों पर इसका बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, अमेरिकी विदेश विभाग इन अप्रवासी वीजा धारकों को प्रतिबंध से छूट देने की कोशिश कर रहा है।

यह नीति 20 जनवरी को ट्रंप द्वारा जारी एक कार्यकारी आदेश का हिस्सा है, जिसमें विदेशी नागरिकों के लिए कड़ी सुरक्षा जांच अनिवार्य की गई थी। इस आदेश में कई कैबिनेट अधिकारियों को 21 मार्च तक उन देशों की सूची पेश करने का निर्देश दिया गया था, जहां अपर्याप्त जांच और स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं के कारण यात्रा को पूरी तरह या आंशिक रूप से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह कदम अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाया जा सकता है। हालांकि सूची अभी अंतिम रूप से तैयार नहीं हुई है और इसमें बदलाव संभव हैं, लेकिन इसे विदेश मंत्री मार्को रुबियो की सहमति के अलावा, प्रशासन की मंजूरी की आवश्यकता होगी। प्रस्तावित प्रतिबंध में शामिल देशों को तीन समूहों में बांटा गया है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में शर्मसार करने वाली घटना, 6 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

14 मार्च की देर रात सूरत के कतारगाम इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। आरोपी ने परिवार के साथ सो रही 6 वर्षीय बच्ची का अपहरण कर उसे SMC स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ले जाकर दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी ने बच्ची को खून से लथपथ हालत में वापस मां के पास छोड़ दिया और फरार हो गया।

सुबह जब मां ने बच्ची की हालत देखी, तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। गंभीर स्थिति में बच्ची को स्मिमेर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसके बाद कतारगाम पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम घटनास्थल पर पहुंची।

आरोपी अजय वर्मा घंटों में गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने 50 से अधिक CCTV फुटेज खंगाले, जिसमें आरोपी बच्ची को उठाकर ले जाते हुए नजर आया। कुछ ही घंटों में पुलिस ने आरोपी अजय वर्मा को गिरफ्तार कर लिया।

अजय वर्मा उत्तर प्रदेश का निवासी है और सूरत में गन्ने के जूस की ठेली पर काम करता था। पुलिस ने इस आरोपी को पकड़ने के लिए 18 अधिकारियों को लगाया और 200 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की। आखिरकार, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

गुजरात में असामाजिक गुंडा तत्वों पर सख्त कार्रवाई का आदेश 100 घंटों के भीतर सूची तैयार की जाए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राज्य में कानून और व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने और असामाजिक तत्वों और गुंडों पर कठोर कार्रवाई करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के मार्गदर्शन में राज्य के पुलिस प्रमुख विकास सहाय ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक आयोजित की। इस बैठक में सभी पुलिस आयुक्तों, रेंज प्रमुखों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया गया कि अगले 100 घंटों के भीतर राज्य के हर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में मौजूद असामाजिक तत्वों की सूची तैयार की जाए।

राज्य के पुलिस प्रमुख श्री विकास सहाय ने सभी पुलिस आयुक्तों, रेंज प्रमुखों और पुलिस अधीक्षकों के साथ एक आपातकालीन वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक आयोजित की। बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि

कौन होंगे इस सूची में शामिल?

इस सूची में वे अपराधी शामिल किए जाएंगे जो—

- बार-बार शारीरिक अपराधों में लिप्त रहे हैं।
- हफ्ता वसूली (खंडणी), धमकी और संपत्ति से जुड़े अपराधों में संलिप्त हैं।
- अवैध शराब और जुए के धंधे में शामिल हैं।
- खनिज चोरी जैसे अवैध कार्यों में लिप्त हैं।
- जनता में भय फैलाने वाली आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं।

कड़ी कार्रवाई के आदेश

राज्य पुलिस प्रमुख ने इन अपराधियों पर सख्त कार्रवाई के लिए कई निर्देश दिए हैं—

1. अवैध निर्माण – ऐसे अपराधियों द्वारा किए गए अवैध निर्माणों को नगर निगम व अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर तोड़ा जाएगा।
2. बिजली कनेक्शन – यदि कोई अवैध बिजली कनेक्शन पाया जाता है, तो GUVNL (गुजरात विद्युत निगम) के साथ मिलकर कार्रवाई की जाएगी।
3. बैंक खातों की जांच – ऐसे अपराधियों के बैंक खातों की जांच होगी और यदि कोई अवैध वित्तीय लेन-देन पाया जाता है तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
4. जमानत रद्द करने की कार्रवाइ – यदि ये अपराधी जमानत पर छूटने के बाद फिर से किसी अपराध में पकड़े जाते हैं, तो उनकी जमानत रद्द कराई जाएगी।
5. पासा (PASA) और तड़ीपार जैसी कड़ी धाराओं का उपयोग – यदि आवश्यक हो, तो अपराधियों पर प्रीवेंशन ऑफ एंटी सोशल एक्टिविटीज (PASA) और तड़ीपार (बाहरी जिले में निर्वासन) जैसी धाराओं का प्रयोग किया जाएगा।
6. किराएदारों का पंजीकरण अनिवार्य – यदि कोई व्यक्ति किराए पर रहता है और उसका पंजीकरण नहीं कराया गया है, तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई होगी।

सख्त पालन के निर्देश

राज्य के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व और गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की जा रही है। पुलिस प्रमुख ने अधिकारियों को व्यक्तिगत ध्यान देकर इन निर्देशों को सख्ती से लागू करने का आदेश दिया है।

गुजरात पुलिस अब असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के मूड में है। आने वाले दिनों में अपराधियों पर बड़ी कार्रवाई देखने को मिल सकती है।

होली स्नेहमिलन "फूलोत्सव"-2025 का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा होली के अवसर पर होली स्नेहमिलन "फूलोत्सव"-2025 का आयोजन शुक्रवार को सिटीलाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस में किया गया। आयोजन के लिए ट्रस्ट द्वारा होली के सतरंगी रंगो से निर्मित भव्य पंडाल बनाया गया। कार्यक्रम पूर्णतया सात्विक एवं पर्यावरण फ्रेन्डली होवे, इसके लिए केवल "फूलों की होली" खेली गई। आयोजन में मुंबई के मशहूर गायक नरेंद्र कुमार एवं टीम द्वारा श्री राधा-कृष्ण व पारंपरिक भक्तिपूर्ण होली एवं लोकगीतों की प्रस्तुति दी गई। आयोजन में सभी के लिए फूल, जलपान एवं ठंडाई की व्यवस्था रखी गई थी।

इस अवसर पर ट्रस्ट के निवर्तमान अध्यक्ष संजय सरावगी, अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, उपाध्यक्ष प्रमोद कंसल, सचिव अनिल शोरेवाला, कोषाध्यक्ष शशिभूषण जैन, सह-सचिव दिनेश बंसल, सह-कोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल सहित समाज के अनेकों गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक दूसरे को होली पर्व शुभकामनाएं दी।

लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर चाकू से वार किए मामूली कहासुनी से झगड़ा बना हिंसक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन इलाके में धुलेटी (14 मार्च, 2025) के दिन शाम के समय सेजलनगर में दहशत फैलाने वाली एक घटना सामने आई। यहाँ चार से पाँच लोग रिक्शा में आए और खुलेआम चाकू से लोगों पर हमला करने लगे। इस घटना से स्थानीय लोगों में भय का माहौल फैल गया। हमले का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि असामाजिक तत्वों में से एक व्यक्ति बेखौफ होकर चाकू से लोगों पर हमला कर रहा है।

मामूली कहासुनी से झगड़ा बना हिंसक

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पूरी घटना एक मामूली बात पर हुई कहासुनी से शुरू हुई थी। दो गुटों के बीच किसी मुद्दे पर तीव्र विवाद हुआ और कुछ ही देर में स्थिति बेकाबू हो गई। रिक्शा में आए चार से पाँच लोगों में से एक, जिसने सफेद रंग की टी-शर्ट पहनी थी, अचानक चाकू निकाल लिया और हिंसक हमला कर दिया। एक के बाद एक, चार से पाँच लोगों पर चाकू से वार किए गए, जिससे सभी को मामूली चोटें आईं। इन हमलावरों ने पुलिस के किसी भी डर के बिना सरेआम चाकू का इस्तेमाल किया।

लोगों ने बचाव के लिए पथराव किया

सेजलनगर ग्राउंड में ये उपद्रवी लोग पागलों की तरह हिंसा फैला रहे थे। खुद को बचाने के लिए स्थानीय लोगों ने पथराव भी किया, जिससे हमलावर कुछ ही देर में रिक्शा में बैठकर भागने लगे। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया और लोगों में डर और घबराहट फैल गई।

शबरी बस्ती में होली का किया आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एकल वनबंधु परिषद युवा शाखा द्वारा शबरी बस्ती में होली उत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन के संयोजक गौरव बजाज ने बताया की युवा शाखा के सदस्यों द्वारा लिंबायत एवं भटार की शबरी बस्तियों में होली उत्सव का आयोजन किया गया। शबरी बस्ती के बच्चों के साथ गुलाल से होली खेली गई एवं उनको मिठाई दी गई। आयोजन में एकल वनबंधु परिषद युवा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

सूरत में धुलेटी की धूमः LCB कार्यालय में पुलिस कर्मियों ने रंगोत्सव मनाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में धुलेटी के अवसर पर पूरे शहर में उत्साह देखने को मिला। इसी कड़ी में, LCB (लोकल क्राइम ब्रांच) कार्यालय में पुलिस कर्मियों ने भी रंगोत्सव मनाया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की खुशियां साझा कीं। पुलिस विभाग में इस तरह के उत्सव से टीम भावना को बढ़ावा मिलता है और पुलिसकर्मियों को अपने व्यस्त शेड्यूल से राहत भी मिलती है। ससस गुजरात समेत पूरे देश में 14 मार्च 2025 को धुलेटी का उत्सव मनाया जा रहा है

राज्यभर में पार्टी प्लॉट, क्लब, गलियों और सोसायटियों में रंगोत्सव की धूम देखी जा रही है।

अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट जैसे बड़े शहरों में पूल पार्टी और रेन डांस का आयोजन किया गया है। इसके साथ ही, लंच और डिनर की भी विशेष व्यवस्था की गई है।

सूरत जिला LCB कार्यालय में पुलिस द्वारा विशेष धुलेटी उत्सव मनाया गया

24 घंटे ड्यूटी पर रहने वाले पुलिस अधिकारी और कर्मचारी एक-दूसरे को रंग लगाकर उत्साहपूर्वक धुलेटी का आनंद लेते नजर आए।

इस अवसर पर सूरत रेंज के IG प्रेमवीर सिंह और सूरत ग्रामीण पुलिस प्रमुख हितेश जोयसार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

फोस्टा द्वारा टेक्सटाइल व्यापारियों को इंश्योरंस के लिए जागरूक करने हेतु

बीमा एजेंसियों के साथ मीटिंग आयोजित की गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, फोस्टा द्वारा फोस्टा बोर्डरूम में फेडरेशन ऑफ़ सूरत ट्रेड एंड टेक्सटाइल एसोसिएशन (FOSTTA) द्वारा बीमा एजेंसियों एवं एजेंटों के साथ कपड़ा मार्केट के व्यापारियों को उनकी दुकानों, स्टॉक और व्यापारियों में इंश्योरंस के प्रति जागरूकता लाने हेतु एक आवश्यक मीटिंग का आयोजन किया गया।

मीटिंग में खास तौर पर इन बातों पर चर्चा हुई:

*** दुकान और स्टॉक का बीमा क्यों जरूरी है?**

*** कपड़ा मार्केट के इंश्योरंस हेतु SOP तैयार करना**

*** कम खर्च में फायर इंश्योरेंस और अन्य व्यापार बीमा योजनाएँ**

*** व्यापारियों और कर्मचारियों के लिए ग्रुप इंश्योरेंस के फायदे**

*** बीमा लेने से लेकर क्लेम तक की प्रक्रिया**

*** लोगों को बीमा के प्रति जागरूक करना**

बीमा एजेंसियों और कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अलग-अलग बीमा योजनाओं की जानकारी दी और बताया कि यह व्यापारिओं के लिए क्यों फायदेमंद है। इस बैठक का उद्देश्य व्यापारियों को संभावित नुकसान से बचाने और सुरक्षित भविष्य के लिए तैयार करने का था।

फोस्टा से महामंत्री गिरीश मित्तल, कोषाध्यक्ष नानालाल राठोड, डायरेक्टर शिवराज पारिक, डायरेक्टर नीरज अग्रवाल के साथ CA राहुल अग्रवाल उपस्थित रहे।